केन्द्रीय विद्यालय वायु सेना स्टेशन ठाणे

KENDRIYA VIDYALAYA AIR FORCE STATION THANE

विद्यालय पत्रिका/Vidyalaya Patrika: 2020-21

केन्द्रीय विद्यालय वायुसेना स्थल, ठाणे
KENDRIYA VIDYALAYA, AFS, THANE

केन्द्रीय विद्यालय वायुसेना स्थल, ठाणे
KENDRIYA VIDYALAYA, AFS, THANE

केंद्रीय विद्यालय संगठन
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन)
सम्भागीय कार्यालय, आई. आई. टी. कैम्पस,
पवई, मुम्बई-400 076
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
(Under Min. of Education, Govt. of India)
Regional Office, I.I.T. Campus, Powai, Mumbai-400 076
दूरभाष/ Tel. (022) 25728060, 2572 2328/1614/6763
E-MAIL ID - kvsmumbairegion@gmail.com
WEBSITE - www.romumbai.kvs.gov.in

संदेश

अत्यंत हर्ष का विषय है कि केंद्रीय विद्यालय, ठाणे, मुंबई संभाग विद्यालय द्वारा ई-पत्रिका "सृजन" का प्रकाशन किया जा रहा है।

विद्यालय पत्रिका छात्र-छात्राओं के अनुभवों, भावनाओं और कल्पनाओं को एक मंच प्रदान करने का कार्य करती है और साथ ही उनकी ऊर्जा को सही दिशा की ओर उन्मुख करती है। विद्यालय पत्रिका के माध्यम से विद्यालय की वर्ष भर की विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक, आदि गतिविधियों की झलक भी मिलती है।

केंद्रीय विद्यालय, ठाणे छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव प्रयासरत रहा हैं। विगत एक वर्ष से भी अधिक समय से करोना महामारी की विषम परिस्थितियों के बीच ऑनलाइन एवं यथासंभव ऑफलाइन माध्यम से विभिन्न शैक्षिक एवं शिक्षातर गतिविधियों का सफल क्रियान्वयन उनकी लगन एवं समर्पण का द्योतक है। केंद्रीय विद्यालय, ठाणे में क्रियाकलाप आधारित कक्षाओं, कला समेकित अधिगम, बहुविषयक परियोजना कार्यों, आदि शिक्षण युक्तियों के प्रयोग एवं विभिन्न सह-शैक्षिक गतिविधियों द्वारा विद्यार्थियों की रचनात्मकता तथा नेतृत्व क्षमता को निखारने का प्रयास किया जा रहा है।

आशा हैं कि ई पत्रिका के प्रकाशन से हमारे भावी कर्णधारों की कल्पनाओं की उड़ान को नए आयाम मिलेंगे और आपका प्रोत्साहन उनके रचनात्मक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी सिद्ध होगा।

इस पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्री चंद्रशेखर सिंह, संपादक मंडल के सदस्यों, सम्मानित शिक्षकों, एवं प्यारे विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई और अशेष शुभकामनाएं।

सोना सेठ

(सोना सेठ)
उपायुक्त

Thinking Day Celebration (22-02-2021)

Participants in Science Exhibition
Under the theme: Technology for Toys

KV AFS Thane Staff with Gp Capt Shekhar Sharma, Stn Cdr Air Force Station
on Republic Day Celebration (26-01-2021)

ग्रुप कैप्टन शेखर शर्मा
Group Captain Shekhar Sharma
Station Commander

Tele : 022 25868501 - 07 (Off)
Fax. : 022 25868089

आज़ादी का अमृत महोत्सव

MESSAGE

It is a matter of immense honour and pride for me to be part of this edition of Vidyalaya Patrika. Education is most essential for nurturing human minds to trudge in right direction for humanity's growth. While the parental teachings make up for the informal learning, the need of formal learning at Vidyalayas can never be overstated. In last two years of the pandemic ridden world, the importance of classroom learning has come to the fore. Teachers and students are longing to be back to the classrooms, where the real learning would happen. Notwithstanding the challenging times, the teachers across the globe have done Yeoman's service to the humanity by not allowing the pandemic to hamper the spirit of education. They have quickly adapted to the rapidly progressing technology in true essence of "Learn while you teach". The times have been equally challenging for the students. They yearn to be with their fellow students. They yearn to share, squabble, make up, idolize and follow the morality and values of their teachers and mentors and much more that the online platform can never teach. They have been psychologically jolted. I urge upon the teachers and parents equally, to stand by the children in these testing times and guide them through for the sake of humanity. I also urge upon the parents to inculcate right moral values in our children. The moral values are eternal to the growth of humankind.

The Principal Shri Chandrashekhar Singh Chauhan and his staff have done a commendable service in last two years. Kudos to the school staff as despite all the limitations of vintage infrastructure, shortage of staff and added agony of pandemic, school has produced excellent results in academics. Kendriya Vidyalaya Air Force Station Thane continues to rekindle the hope of a bright future under the able leadership of the Principal and Senior Staff.

I take this opportunity to convey my best wishes to the Magazine Editorial Board for their laudable effort in making of this edition of Vidyalaya Patrika. I also wish the entire Kendriya Vidyalaya family good health and all the success in their future endeavors.

Jai Hind

Gp Capt Shekhar Sharma
Chairman VVC, KV AFS Thane

Teachers' Day Celebration 05-09-2020

KENDRIYA

National Sports Day
Celebration on 29-08-2020

Teachers' Day Celebration 05-09-2020

केन्द्रीय विद्यालय
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के आधीन)
वायुसेना स्टेशन, कोलशेत रोड, संडोज़ बाग पोस्ट
ठाणे (पश्चिम)-400 607 महाराष्ट्र

KENDRIYA VIDYALAYA
(Ministry of Education, Govt. of India)
Air Force Station, Kolshet Road, Sandoz Baug Post
Thane (W)–400 607 Maharashtra

वैबसाइट/Website: www.afsthane.kvs.ac.in ई-मेल/E-Mail: kvthane@gmail.com & kvthane@rediffmail.com ☎ 022-25868350, 25868447
CBSE Affiliation No.1100037 School Code: 34049 KVS School Code: 1219

प्राचार्य की लेखनी से

रचनात्मकता और सृजनशीलता की एक नवीन झांकी के रूप में यह विद्यालय पत्रिका "सृजन" आपके हाथों में सौंपते हुए अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है । विद्यालय के साहित्यिक रुचि रखने वाले नन्हे-मुन्ने लेखकों एवं कवियों की रचनाओं से समृद्ध यह पत्रिका उनकी सृजनात्मक वृत्तियों का संकलन है ।

विद्यालय पत्रिका के माध्यम से जहां एक ओर विद्यालय की गतिविधियों का परिचय मिलता है वहीं यह कुछ नए रचनाकारों की योग्यता के प्रस्फुटन को अवसर प्रदान करता है ।

इस पत्रिका के सृजन में विद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है । उनके सम्मिलित प्रयासों की परिणति के रूप में यह पत्रिका आप सभी को कल्पना और रचनात्मकता के एक नए लोक में ले जाएगी, इसका मुझे पूर्ण विश्वास है ।

इस अवसर पर मैं माननीया उपायुक्त महोदया, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, मुंबई संभाग श्रीमती सोना सेठ जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ जिनके मार्गदर्शन से हम नित नई प्रगति के मार्ग पर अग्रसर हैं ।

मैं विद्यालय प्रबंधन समिति, वायुसेना स्थल ठाणे के अध्यक्ष माननीय ग्रुप कॅप्टन श्री शेखर शर्मा का भी धन्यवाद ज्ञापित करना चाहता हूँ जिनका विद्यालय के प्रति अनन्य प्रेम एवं समर्पण उनकी शुभकामनाओं के रूप में हमें प्राप्त हुआ है |

इस अवसर पर मैं केन्द्रीय विद्यालय वायुसेना स्थल ठाणे के समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थियों को इस पत्रिका के प्रकाशन की बहुत-बहुत बधाई और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ ।

जय हिन्द जय भारत

चंद्रशेखर सिंह चौहान
प्राचार्य

केन्द्रीय विद्यालय, वायु सेना स्टेशन, ठाणे

KENDRIYA VIDYALAYA, AIR FORCE STATION, THANE

विद्यालय पत्रिका/SCHOOL MAGAZINE

सृजन /SRUJAN

2020-21

सम्पादक मंडल

संरक्षक : श्री चन्द्रशेखर सिंह चौहान, प्राचार्य
सह संरक्षक : श्रीमती अंजलि परचाके, उप-प्राचार्या

मुख्य सम्पादक : श्री वी. पारधासारधी, स्नातकोत्तर शिक्षक (अंग्रेजी)
सह संपादक : श्रीमती तारा मिश्रा , स्नातकोत्तर शिक्षिका (हिंदी)

छोटी-छोटी रचनाओं से
सृजन-उड़ान भरी है हमने
वीणावादिनी तुम्हें समर्पित
देना संबल इस वितान को ।

प्रकृति अपने नित-निरंतर बदलते रूपों में हमारे सम्मुख जीवन के विविध चित्र दिखाती है ।मानव भी इनसे प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता ।प्रकृति सृजन की वास्तविक प्रणेता भी है ।मनुष्य भी अपनी रचनात्मकता के अनंत स्रोत यहीं से पाता है और लेखन की अविरल परिपाटी की विस्तृत श्रृंखला का निर्माण होता है।
प्रस्तुत पत्रिका बाल-हृदय में प्रवाहित अन्त:सलिला के प्रस्फुटन का भागीरथ प्रयत्न है।आशा करते हैं कि पाठक इसके बाह्य कलेवर पर ध्यान न देकर भावों पर ध्यान केन्द्रित करके विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन करेंगे।
प्रस्तुत अंक को आपके समक्ष प्रस्तुत करने में हमारे प्राचार्य श्री चन्द्रशेखर सिंह चौहान एवं उप-प्राचार्या श्रीमती अंजलि परचाके जी का प्रतिम सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ ।साथ ही विद्यालय के समस्त शिक्षकगण, विशेष रूप से श्री वी. पारधासारधी, स्ना.शिक्षक अंग्रेजी के सहयोग के बिना कार्य की पूर्णता पर अवश्य संदेह होता ।इनके लिए मैं अत्यंत आभारी हूँ।पत्रिका उत्तरोत्तर विकसित हो एवं नई प्रतिभाओं को अभिव्यक्ति के लिए स्थान मिले, यही हमारा लक्ष्य है।

शेष फिर.....

HAPPY READING

अनुक्रमणिका / INDEX

हिंदी – संस्कृत विभाग

क्रम	रचना	रचनाकार का नाम	कक्षा	
1	हिंदी भाषा	रिया	नवीं ब	
2	भारत छोड़ कोरोना	सोनल चतुर्वेदी	बारहवीं अ	
3	एक समर्पण सृजन को	प्रकाश राय	बारहवीं अ	
4	जाग इंसान जाग	अंगद शर्मा	नवीं ब	
5	बादल काले-काले आए	प्रखर मिश्र	चौथी अ	
6	अपना भारत महान	आयुष्मान साहू	पाँचवीं अ	
7	एकता में बल	निधि गुप्ता	चौथी अ	
8	प्यारी मैना – मेरी प्रेरणा स्रोत	अंगद शर्मा	नवीं ब	
9	हँसना ही जीवन है ।	ऋतुजा जगदाले	दसवीं स	
10	हमारा गौरव	निशा कुमारी	दसवीं ब	
11	माँ गंगा	प्रार्थना गणेश बांगर	सातवीं ब	
12	हमारा पर्यावरण	वेद कैलाश कोली	सातवीं ब	
13	बोल मेरी आजादी बोल	कीर्ति शुक्ला	आठवीं अ	
14	सिंगल यूस प्लास्टिक	सिद्धार्थ शर्मा	सातवीं ब	
15	घर को देखो	आकांक्षा	छठी अ	
16	बढ़ता प्रदूषण	प्रिया निकम	सातवीं अ	
17	हिन्दी –मेरी मातृ भाषा	गायत्री ठाकुर	आठवीं अ	
18	समय को भी तेरी तलाश है	सृष्टि नन्द	आठवीं अ	
19	कन्यादान और लड़की का जीवन	स्नेहा मुखर्जी	दसवीं ब	
20	भारतीय वीर सैनिक	साक्षी झा	दसवीं अ	
21	कलाओं का अस्तित्व	अंजलि तिवारी	बारहवीं अ	
22	बादल	अनन्या मण्डल	चौथी ब	
23	सकारात्मक सोच की शक्ति	जिगीशा निकुंभ	दसवीं अ	
24	क्यूँ मेरा भारत बदल गया	आयुष सिंह	सातवीं अ	
25	विविधता में एकता	तान्या सिंह	आठवीं अ	
26	कोरोना का कहर	साक्षी दहिया	छठी अ	
27	पहेलियाँ	उज्ज्वल उपाध्याय	आठवीं ब	
28	रोग,योग और आयुर्वेद	मयूर विलास उघाड़े	सातवीं अ	
29	समय के साथ मत भाग जिंदगी	भार्गवी	आठवीं अ	
30	कोशिश कर	ऋचा उपाध्याय	आठवीं अ	
31	पहेली	अनुश्री कुंभर	चौथी ब	
32	सच्चा दोस्त	संस्कृति	सातवीं ब	
33	भागात सिंह की शादी	संस्कृति	सातवीं ब	
34	परिश्रम का महत्व	सौम्या राज	सातवीं ब	
35	बिपिन रावत	विष्णु पी नाथ	सातवीं अ	
36	आत्मविश्वाश	अनुष्का मण्डल	छठी अ	
37	बीते दो साल	तमन्ना द्विवेदी	बारहवीं अ	
38	मेरी माँ	अपराजित झा	सातवीं स	
39	पिता	श्रीमती स्वाति भाटिया	शिक्षिका	
40	मानसिक स्वास्थ्य	आराध्य मिश्र	बारहवीं अ	
41	पर्यावरण	अनुष्का मण्डल	छठी अ	
42	आज की युवा	निशा कुमारी	दसवीं ब	
43	संस्कृत भाषा महत्व	कैरवी गडा	सातवीं स	
44	पर्यावरण	अन्वेषय	सातवीं ब	
45	मम समाज	वेद कैलाश कोली	सातवीं ब	
46	व्यायाम	अभिजीत	दसवीं अ	
47	जलम	मानसी पुरनेकर	नवीं ब	
48	प्रकृति	दिव्य रंजीत भामरे	दसवीं अ	

ENGLISH-SECTION

SR NO	NAME OF THE ARTICLE	NAME OF THE WRITER	CLASS
1	FOOD WASTE	PRIYANAKA TANWAR	XIA
2	WHAT GOES AROUND, COMES AROUND	SAMMYAK BACCHAV	XI A
3	HEALTHY HABIT PLEDGE	HARSHVARDHAN PATIL	IV B
4	PUZZLES	AKSHIT KUMAR	IV B
5	INTERESTING FACTS ABOUT SPACE	JIGISHA KAMBOJ	XA
6	MY SCHOOL	JIGISHA KAMBOJ	XA
7	MATHS RIDDLES	JIGISHA KAMBOJ	XA
8	RIDDLES		
9	LIFE	JIGISHA NIKUMBH	XA
10	COOL FACTS ABOUT MATHS	NANDINI NAMDEO	XA
11	I WONDER WHAT IF I	GAURI VANITA	
12	SCIENCE IN YOGA	ARYAN MISHRA	XII A
13	SAVE GIRL CHILD	SAMIKSHA CHAVAN	X A
14	ROLE OF SOLDIER	PRAKASH RAI	XIIA
15	A THOUGHT IN MY MIND-	SANYUKTA V	XI C
16	JOKES	RAJ RISHI	IX B
17	THEY THINK I CAN LEVITIATE	MAHADEV	XII B
18	MY COUNTRY INDIA-	SANSKRITI	VII B
19	MY DOUBT	ANJALI TIWARI	XII A
20	ENTREPRENEUR-A NESSCICITY FOR A DEVELOPINGNATION	MRS NIRMAL DEVI	PGT
21	BELIEVE IN POWER OF NOW	KSHITIZ SHIVAJI MAHADIK	X C
22	NO WAR, ONLY PEACE	RACHNA VISHAL MISHRA	XI A
23	IT WAS JUST ANOTHER DAY	MONIDEEPA SANTRA	IX A
24	INDIAN FLAG	KSHITIZ SHIVAJI MAHADIK	X C
25	IT'S A PAIN TO SAVE	RACHNA VISHAL MISHRA	XI A
26	IF I WERE TO MEET AN HISTORICAL FIGURE	PRIYANKA TANWAR	XI C
27	LIFE OF A STUDENT	RUTUJA JAGDALE	X C
28	LITTLE THINGS MAKE CHANGES	SNEHA MISHRA	X B
29	BEING RICH	KARNA WADKAR	XI C
30	MY FRIEND IS A CRAZY CHAP	ANKITA RAGULWAR	IX A
31	MY CRAZY FRIEND	DEEPANKAR PATIL	IX A
32	MENTAL HEALTH AND IT'S HYGIENE	BHOOMIKA SAXENA	X A
33	ONLINE CLASSES-A BOON IN DIGUISE	ANGAD SHARMA	IX B
34	ONLINE EDUCATION	ADITYA PRASAD	IX A
35	35-THE PLIGHT OF AN 8TH GRADER	UJJWAL UPADHYAYA	VIII B
36	THE SHADES OF WINTER	SHREETI SHANDILYA	VIII B
37	LOVE YOURSELF	ISHIKA	VIII B
38	IT'S GOOD TO HAVE STEREOTYPES	BHAVYA SINGH	XI B
39	MOST PRECIOUS ONE	SNEHA MISHRA	X B
40	ONLINE CLASSES	TANVI PATIL	IX B
41	IS EDUCATION FOR COMPETITION-	ANSHU KANWAR	XIIA
42	WHEN I STAND AND WATCH THE RAIN	ANSHIKA SINGH	IX B
43	FOOD WASTE: A CRIME AGAINST HUMANITY	ELIJAH JOHN	XI C
44	HOW FAST CAN BIRDS FLY	KRITIKA SOUDE	XB
45	TANISHA SAHU	LIMATR CHANGE	XB
46	LIFE –AN OPPORTUNITY	VAISHNAVI PAWAR	XB

सी बी एस ई परीक्षा परिणाम 2020-21
कक्षा बारहवीं (XII)

कुल संख्या (विज्ञान+वाणिज्यसंकाय)	
प्रतिभागी छात्रों की संख्या	96
उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	96
अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या	0
पूरक परीक्षा मे छात्रों की संख्या	0
उतीर्ण प्रतिशत	100

विज्ञान संकाय	
प्रतिभागी छात्रों की संख्या	70
उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	70
अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या	0
पूरक परीक्षा मे छात्रों की संख्या	0
उतीर्ण प्रतिशत	100

वाणिज्य संकाय	
प्रतिभागी छात्रों की संख्या	26
उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	26
अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या	0
पूरक परीक्षा मे छात्रों की संख्या	0
उतीर्ण प्रतिशत	100

CBSE RESULTS 2020-21
CLASS-X

OVERALL (SHIFT-1 & 2)	
प्रतिभागी छात्रों की संख्या	131
उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	131
अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या	0
पूरक परीक्षा मे छात्रों की संख्या	0
उतीर्ण प्रतिशत	100%

SHIFT-1	
प्रतिभागी छात्रों की संख्या	93
उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	93
अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या	0
पूरक परीक्षा मे छात्रों की संख्या	0
उतीर्ण प्रतिशत	100%

SHIFT-2	
प्रतिभागी छात्रों की संख्या	38
उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	38
अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या	0
पूरक परीक्षा मे छात्रों की संख्या	0
उतीर्ण प्रतिशत	100%

सी. बी. एस. ई. 2020-21
शिक्षक प्रदर्शन सूचकांक
कक्षा बारहवीं (XII)

क्रम	शिक्षक/शिक्षिका का नाम	विषय	छात्रों की संख्या			उत्तीर्ण प्रतिशत	प्रदर्शन सूचकांक
			प्रतिभागी	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण		
1	श्रीमती तारा मिश्रा	हिंदी	31	31	0	100	85.08
2	श्री वी. पारधासारधी	अंग्रेजी	37	37	0	100	80.07
3	श्रीमती पी. श्रीलेखा	संगणक विज्ञान	37	37	0	100	79.73
4	श्रीमती पी. श्रीलेखा	सूचना प्रायोगिकी	0	0	0	100	78.13
5	श्रीमती अमृता गुलिया	अर्थशास्त्र	26	26	0	100	77.88
6	श्रीमती बिपाशा मजूमदार	जीव विज्ञान	25	25	0	100	77
7	श्रीमती के. टी. बीना	अंग्रेजी	59	59	0	100	76.48
8	श्री के. चन्द्र बाबू	गणित	37	37	0	100	74.66
9	श्रीमती निर्मल देवी	व्यावसायिक अध्ययन	26	26	0	100	64.9
10	श्रीमती निर्मल देवी	लेखाशास्त्र	26	26	0	100	63.46
11	सुश्री रजिया पराक्कल	भौतिक विज्ञान	33	33	0	100	63.26
12	श्रीमती स्वाति छाबरा	भौतिक विज्ञान	37	37	0	100	62.84
13	श्री रामनारायण दीक्षित	गणित	28	28	0	100	58.04
14	श्री संदीप गौतम	रसायन विज्ञान	37	37	0	100	54.39
15	श्रीमती हर्षिका	रसायन विज्ञान	33	33	0	100	41.29

KV AFS THANE

सी. बी. एस. ई. 2020-21
शिक्षक प्रदर्शन सूचकांक
कक्षा दसवीं (X)

क्रम संख्या	शिक्षक/शिक्षिका का नाम	विषय	छात्रों की संख्या			उत्तीर्ण प्रतिशत	प्रदर्शन सूचकांक
			प्रतिभागी	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण		
1	श्रीमती ज्योति	संस्कृत	13	13	0	100	96.15
2	श्रीमती तारा मिश्रा	हिंदी	36	36	0	100	84.72
3	श्रीमती उमा एस. गोडखिंडी	गणित (स्टैण्डर्ड)	30	30	0	100	82.50
4	श्रीमती अमिता चतुर्वेदी	हिंदी	34	34	0	100	82.35
5	श्रीमती उषा यादव (अंशकालिक शिक्षिका)	सा. विज्ञान	38	38	0	100	81.91
6	श्रीमती मंगला एस. बोडके	हिंदी	25	25	0	100	79.00
7	श्रीमती मीनाक्षी अलाम्बा	संस्कृत	23	23	0	100	75.54
8	श्री के. चन्द्र बाबू	गणित (स्टैण्डर्ड)	32	32	0	100	72.27
9	श्रीमती ललित किशोरी	अंग्रेजी	38	38	0	100	71.38
10	श्री वी पारधासारधी	अंग्रेजी	46	46	0	100	70.92
11	श्रीमती के. टी. बीना	अंग्रेजी	47	47	0	100	70.48
12	श्रीमती श्वेता भार्गव	गणित (बेसिक)	2	2	0	100	68.75
13	श्रीमती श्वेता भार्गव	गणित (स्टैण्डर्ड)	36	36	0	100	68.40
14	सुश्री कावेरी भारती	विज्ञान	38	38	0	100	67.76
15	श्री संदीप गौतम	विज्ञान	47	47	0	100	67.55
16	सुश्री रजिया पराक्कल	विज्ञान	47	47	0	100	67.55
17	श्री प्रदीप पालीवाल	सा. विज्ञान	93	93	0	100	67.20
18	श्रीमती बिपाशा मजूमदार	विज्ञान	93	93	0	100	64.65
19	श्रीमती स्वाति छाबरा	विज्ञान	46	46	0	100	61.68
20	श्रीमती हर्षिका	विज्ञान	46	46	0	100	61.68
21	श्रीमती उमा एस. गोडखिंडी	गणित (बेसिक)	17	17	0	100	55.15
22	श्री के. चन्द्र बाबू	गणित (बेसिक)	14	14	0	100	50.00

KVAFSTHANE

सी.बी.एस.ई.(2020-21)

कक्षा बारहवीं

विज्ञान संकाय

स्थान	अनुक्रमांक	विद्यार्थी का नाम	प्राप्तांक	अंकों का प्रतिशत
1	15626017	जिया जॉनसन	483	96.6
2	15626045	आदयान्त दुबे	482	96.4
3	15626014	डेविड जोश	481	96.2
4	15626024	राहुल कथायत	476	95.2
5	15626026	रीति सिंह	476	95.2

वाणिज्य संकाय

स्थान	अनुक्रमांक	विद्यार्थी का नाम	प्राप्तांक	अंकों का प्रतिशत
1	15626053	नव्या विनोद	477	95.4
2	15626061	रोशनी शिवाजी माने	464	92.8
3	15626047	गगगदीप कोचर	457	91.4
4	15626066	सेजल त्रिपाठी	455	91.0
5	15626067	सृष्टि प्रिया	453	90.6

सी.बी.एस.ई.टापर्स (2020-21)

कक्षा दसवीं

प्रथम पाली

श्रेणी	अनुक्रमांक	विद्यार्थी नाम	प्राप्तांक	अंकों का प्रतिशत
1	15178003	तनीषा नारायण सिंह	495	99.0
2	15177992	संस्कृति संजय शुक्ला	489	97.8
3	15177973	अदिति दुबे	488	97.6
4	15177958	पाठक रीमा सचिन	474	94.8
4	15177947	अनुमेहा बिष्ट	473	94.6
5	15177985	आयुष	473	94.6

द्वितीय पाली

श्रेणी	अनुक्रमांक	विद्यार्थी नाम	प्राप्तांक	अंकों का प्रतिशत
1	15177930	श्रेया उपाध्याय	489	97.8
2	15177934	तेजस ए.	474	94.8
2	15177936	वैष्णवी राजेश जाधव	474	94.8
2	15178010	भव्या सिन्हा	474	94.8
3	15177923	निशिगंधा सावंत	472	94.4
4	15177935	वैभवी डी. पाटील	467	93.4
5	15177922	नेहा रणविजय सिंह	459	91.8

कक्षा दसवीं (X) विषय-वार टापर्स

(जिन्होंने2020-21 की सी. बी. एस. ई. परीक्षा के परिणामों में 90 अथवा इससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं)

स्थान	अनुक्रमांक	विद्यार्थी का नाम	प्राप्तांक
अंग्रेजी			
1	15177973	अदिति दुबे	100
2	15177987	पाठक मीरा सचिन	100
3	15177992	संस्कृति संजय शुक्ला	100
4	15178003	तनीशा नारायण सिंह	100
5	15177930	श्रेया उपाध्याय	99
6	15177958	पाठक रीमा सचिन	98
7	15177923	निशिगन्धा अजय सावंत	95
8	15177947	अनुमेहा बिष्ट	95
9	15177952	कौस्तुभ समीर नियोजे	95
10	15177965	साक्षी झा	95
11	15177971	आशुतोष कुमार दीक्षित	95
12	15177981	जी सुनील बगुल	95
13	15177985	आयुष	95
14	15177996	श्रुति सुरेश सोनवने	95
15	15177998	स्नेहा मुखर्जी	95
16	15178000	स्वप्नील	95
17	15178001	स्वाति	95
18	15178002	तनीषा घोष	95
19	15178010	भव्या सिन्हा	95
20	15178025	शिवाँग दत्त	95
21	15178040	रिया शेखर	95
22	15177915	गौरव कुमार	94
23	15177950	के . श्रीनिकेत	94
24	15177966	सम्यक राहुल बच्छाव	94
25	15177988	पूजा शुक्ला	94
26	15177963	रोहन शर्मा	93
27	15177994	संयुक्ता विश्वकर्मा	93

28	15177918	ज्योति प्रसाद	92
29	15177922	नेता रणविजय सिंह	92
30	15177935	वैभवी डी.पाटिल	92
31	15177936	वैष्णवी राजेश जाधव	92
32	15177940	ऋतु रंजन नायर	92
33	15178006	श्वेता सिंह	92
34	15177916	गौरीश राहुल शिंदे	91
35	15177934	तेजस अ	91
36	15177954	रचना विशाल मिश्रा	91
37	15178020	प्रियंका तंवर	91
38	15177960	प्राजक्ता विलास उघाड़े	90
39	15177976	बी. काव्या बाई	90
40	15177990	रागिनी राणा	90
41	15177995	शिवानी सुशील मिश्रा	90
		हिंदी	
1	15177992	पाठक मीरा सचिन	100
2	15178003	पाठक मीरा सचिन	100
3	15177947	अनुमेहया बिष्ट	99
4	15177965	साक्षी झा	99
5	15178000	स्वप्नील	99
6	15178025	शिवाँग दत्त	99
7	15177971	आशुतोष कुमार दीक्षित	98
8	15177955	आकांक्षा सिंह	97
9	15177973	अदिति दुबे	96
10	15177994	संयुक्ता विश्वकर्मा	96
11	15178006	श्वेता सिंह	96
12	15177954	रचना विशाल मिश्रा	96
13	15178020	प्रियंका तंवर	96
14	15177952	कौस्तुभ समीर नियोजे	95
15	15177981	जी सुनील बगुल	95
16	15177985	आयुष	95
17	15177998	स्नेहा मुखर्जी	95
18	15178002	तनीशा घोष	95

19	15178040	रिया शेखर	95
20	15177915	गौरव कुमार	95
21	15177966	सम्यक राहुल बच्छाव	95
22	15177988	पूजा शुक्ला	95
23	15177935	वैभवी डी. पाटिल	95
24	15177916	गौरीश राहुल शिंदे	95
25	15177960	प्राजक्ता विलास उघाड़े	95
26	15177990	रागिनी राणा	95
27	15177995	शिवानी सुशील मिश्रा	95
28	15177969	विशाल नाथ	95
29	15177924	हर्ष कुमार नरवाल	95
30	15177970	यश संतोष	95
31	15177962	रवीश राज	95
32	15177950	के. श्रीनिकेत	94
33	15177918	ज्योति प्रसाद	94
34	15178009	अपूर्वा बगुल	94
35	15177953	मानसी बबन गवित	94
36	15178015	करण रवि वाड़कर	94
37	15178001	स्वाति	92
38	15177939	सिंह साक्षी राकेश सविता	92
39	15177993	भूमिका सिंह	92
40	15177963	रोहन शर्मा	91
41	15178032	अश्लेषा प्रसाद	91
42	15177977	बसुन्धरा जेना	91
43	15177925	नूपुर दिलीप भोईर	91
44	15177956	मोहित विलास नाइक	91
45	15178038	मानसी कुमारी	90
46	15177967	शशान कुमार	90
47	15177979	हर्ष कुमार साह	90
संस्कृत			
1	15177930	श्रेया उपाध्याय	100
2	15177923	निशिगन्धा अजय सावंत	100
3	15178010	भव्या सिन्हा	98

KVAFS THANE

4	15177936	वैष्णवी राजेश जाधव	96
5	15177934	तेजस ए.	96
6	15177987	पाठक मीरा सचिन	95
7	15177922	नेहा रण विजय सिंह	95
8	15177940	ऋतु रंजन नायर	95
9	15177959	पटोले हेमंत ललित	95
10	15177914	ध्रुव दुर्गेश पांडे	95
11	15177968	सिंह अदिति जितेंद्र	95
12	15178004	बिदगर पीयूष अंकुश	95
13	15177919	मनीष अरविन्द जगताप	95
14	15177943	भालेराव जीवक दीपक	95
15	15178008	आयुष ठाकुर	95
16	15178013	सुहानी रवींद्र बहुगुणी	95
17	15177958	पाठक रीमा सचिन	94
गणित (स्टैंडर्ड)			
1	15178003	तनीषा नारायण सिंह	100
2	15177966	सम्यक राहुल बच्छाव	100
3	15177973	अदिति दुबे	98
4	15177936	वैष्णवी राजेश जाधव	96
5	15177934	तेजस ए.	96
6	15177954	रचना विशाल मिश्रा	96
7	15177930	श्रेया उपाध्याय	95
8	15178004	बिदगर पीयूष अंकुश	95
9	15177992	संस्कृति संजय शुक्ला	95
10	15178000	स्वप्नील	95
11	15177969	विशाल नाथ	95
12	15177923	निशि गंधा अजय सावंत	94
13	15177959	पटोले हेमंत ललित	94
14	15177947	अनुमेहा बिष्ट	94
15	15177971	आशुतोष कुमार दीक्षित	94
16	15177994	संयुक्ता विश्वकर्मा	94
17	15177950	के. श्रीनिकेत	94
18	15177963	रोहन शर्मा	94

19	15177987	पाठक मीरा सचिन	93
20	15177958	पाठक रीमा सचिन	93
21	15177965	साक्षी झा	93
22	15177981	जी सुनील बगुल	93
23	15177985	आयुष	93
24	15178006	श्वेत सिंह	92
25	15178010	भव्या सिंह	91
26	15177988	पूजा शुक्ला	91
27	15177964	ऋषिक राजेन्द्र पवार	90
गणित (बेसिक)			
1	15178040	रिया शेखर	94
2	15178020	प्रियंका तंवर	93
विज्ञान			
1	15178003	तनीषा नारायण सिंह	95
2	15177973	अदिति दुबे	95
3	15177930	श्रेया उपाध्याय	95
4	15177950	के.श्रीनिकेत	95
5	15177985	आयुष	95
6	15178010	भव्या सिन्हा	95
7	15177935	वैभवी डी. पाटील	95
8	15177954	रचना विशाल मिश्रा	94
9	15177992	संस्कृति संजय शुक्ला	94
10	15177969	विशाल नाथ	94
11	15177981	जय सुनील बगुल	94
12	15178006	श्वेता सिंह	94
13	15177988	पूजा शुक्ल	94
14	15178020	प्रियंका तंवर	93
15	15177936	वैष्णवी राजेश जाधव	93
16	15177934	तेजस ए.	93
17	15177994	संयुक्ता विश्वकर्मा	93
18	15177958	पाठक रीमा सचिन	93
19	15177947	अनुमेहा बिष्ट	90
20	15177965	साक्षी झा	90

सामाजिक विज्ञान			
1	15178003	तनीषा नारायण सिंह	100
2	15177930	तनीषा नारायण सिंह	100
3	15177935	वैभवी डी. पाटील	100
4	15177992	संस्कृति संजय शुक्ला	100
5	15177922	नेहा रणविजय सिंह	100
6	15177973	अदिति दुबे	99
7	15177934	तेजस ए.	98
8	15177936	वैष्णवी राजेश जाधव	97
9	15177958	पाठक रीमा सचिन	96
10	15177950	के. श्रीनिकेत	95
11	15177985	आयुष	95
12	15178010	भव्या सिन्हा	95
13	15177969	विशाल नाथ	95
14	15177947	अनुमेहा बिष्ट	95
15	15177965	साक्षी झा	95
16	15177987	पाठक मीरा सचिन	95
17	15177966	सम्यक राहुल बच्छाव	95
18	15177923	निशि गंधा अजय सावंत	95
19	15177960	प्राजक्ता विलास उघाड़े	95
20	15178013	सुहानी रवींद्र बहुगुणी	95
21	15177971	आशुतोष कुमार दीक्षित	95
22	15177959	पटोले हेमंत ललित	95
23	15178009	अपूर्वा बगुल	95
24	15177916	गौरीश राहुल शिंदे	95
25	15178002	तनीषा घोष	95
26	15177918	ज्योति प्रसाद	95
27	15177940	ऋतु रंजन नायर	95
28	15177914	ध्रुव दुर्गेश पांडे	95
29	15177932	सिद्धि यादव	95
30	15177917	गुप्ता ध्रुविता भोलेनाथ	95
31	15177996	श्रुति सुरेश सोनवने	95
32	15177999	सुब्रमनी सेंधिल पिल्लई	95

33	15177925	नूपुर दिलीप भोईर	95
34	15177939	सिंह साक्षी राकेश कविता	95
35	15177954	रचना विशाल मिश्रा	94
36	15178006	श्वेता सिंह	94
37	15178020	प्रियंका तंवर	94
38	15178001	स्वाति	94
39	15177998	स्नेहा मुखर्जी	94
40	15178015	करन रवि वाड़कार	94
41	15177937	सपकाल यश धनजी	94
42	15178007	आर्या पेलनेकर	94
43	15177994	संयुक्ता विश्वकर्मा	93
44	15177927	रेशमा कालू लाँगे	92
45	15177988	पूजा शुक्ला	90
46	15178004	बिदगर पीयूष अंकुश	90
47	15177915	गौरव कुमार	90
48	15177995	शिवानी सुशील मिश्रा	90
49	15177955	आकांक्षा सिंह	90
50	15177963	रोहन शर्मा	90
51	15178025	शिवाँग दत्त	90
52	15177980	आर्या सत्तू गरांडे	90

कक्षा बारहवीं (XII) विषय-वार टापर्स

(जिन्होंने2020-21 की सी. बी. एस. ई. परीक्षा के परिणामों में 90 अथवा इससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं)

अंग्रेजी			
स्थान	अनुक्रमांक	विद्यार्थी का नाम	प्राप्तांक
1	15626017	जिया जॉनसन	96
2	15626045	आदयान्त दुबे	96
3	15626014	डेविड जोश	96
4	15626053	नव्या विनोद	96
5	15626026	रीति सिंह	96
6	15625981	अंकुर यादव	96
7	15625995	प्रियाल श्री धर आचार्य	96
8	15625987	हृदिशा हलधर	96
9	15625983	अनुष्का	96
10	15625997	रक्षिता रावत	96
11	15625982	अनुष्का निलेश निकलजे	96
12	15625991	मेघा एम नायर	96
13	15626060	रिशा जैन	96
14	15626003	सृष्टि सिंह	96
15	15625992	निहारिका मिश्रा	96
16	15626051	मृदुला संतोष	96
17	15626052	मृणालिनी संतोष	96
18	15625979	अमृता उन्नी कृष्णन नायर	96
19	15626013	अंशु यादव	96
20	15626001	शुक्ला संजिता	96
21	15626024	राहुल कथायत	95
22	15626028	साहिल यादव	95
23	15626021	ओजस्वी खन्ना	95
24	15625999	साक्षी	95
25	15626071	वैदेही प्रकाश घोंघले	95
26	15626032	सृष्टि संतोष गायकवाड़	95

27	15626040	वीणा शर्मा	95
28	15625996	प्रियंका पोकाले	95
29	15626009	आकाश सिन्हा	95
30	15626011	अनिरुद्ध गौतम	94
31	15626047	गगगदीप कोचर	94
32	15626025	रसेश सिंह	94
33	15626035	टी. श्रीयज्ञा	94
34	15626005	स्नेहांजलि	94
35	15625984	चाहत नंदन	94
36	15626061	रोशनी शिवाजी माने	93
37	15626038	वैदेही संतोष पवार	93
38	15625977	ऐश्वर्या रामचन्द्र कुटे	93
39	15625994	प्रज्ञा	93
40	15626022	पंडित सागरिका दिलीपकुमार	93
41	15626016	हर्ष गिरीश चंद्र मौर्या	93
42	15626036	तमन्ना त्रिपाठी	93
43	15626043	यादव प्रतीक कुमार राजदेव	92
44	15626066	सेजल त्रिपाठी	92
45	15626067	सृष्टिप्रिया	92
46	15626059	प्रियांशु तिवारी	92
47	15626018	मयंक कुमार	92
48	15626044	यश संतोष जाधव	92
49	15626068	सृष्टि दगडू साबले	92
50	15626006	उमा रामेश्वरी गणेश	92
51	15626042	वृषाली बाबासो शिंदे	92
52	15625998	रुचि नरेंद्र मनोहरे	91
53	15626048	गुप्ता राशि भोलेनाथ	91
54	15626010	अमितेश सिंह यादव	91
55	15626008	यादव नेहा कैलाश	91
56	15626039	वल्लभ कुमार पाणिग्रही	90
57	15626023	प्रियांशु सिंह	90

58	15626004	स्नेहा गुप्ता	90
59	15626030	सत्यम सुनील बड़ाख	90
60	15626019	नायर नीलिमा कृष्णन कुट्टी	90
हिंदी			
1	15625983	अनुष्का	99
2	15625997	रक्षित रावत	99
3	15625981	अंकुर यादव	96
4	15625991	मेघा एम. नायर	96
5	15626003	सृष्टिसिंह	96
6	15625979	अमृता उन्नी कृष्णन नायर	96
7	15625994	प्रज्ञा	96
8	15626059	प्रियांशु तिवारी	96
9	15625998	रुचि नरेंद्र मनोहरे	96
10	15625986	गार्गी गीतिक मांझी	96
11	15625984	चाहत नंदन	95
12	15626006	उमा रामेश्वरी गणेश	95
13	15625988	जागृति संतोष वाकोड़े	95
14	15626061	रोशनी शिवाजी माने	94
15	15625980	अंजलि ठाकुर	94
16	15626057	प्रीत	94
17	15625985	दीक्षा प्रमोद पगारे	94
18	15626000	साक्षी सुनील बड़ाख	94
19	15626070	सुष्मिता राठोड	94
20	15626048	गुप्ता राशि भोलेनाथ	93
21	15625978	आलोक कुमार गुप्ता	93
22	15626064	संजीवनी संजय रण दिवे	93
23	15626063	साहिल गणपत कांबले	92
गणित			
1	15626045	आद्यंत दुबे	96
2	15625987	हृदिशा हलधर	96
3	15626018	मयंक कुमार	96

4	15626017	जिया जॉनसन	95
5	15626014	डेविड जोश	95
6	15626028	साहिल यादव	95
7	15626011	अनिरुद्ध गौतम	95
8	15626026	रीति सिंह	94
9	15626024	राहुल कथायत	94
10	15626025	रसेश सिंह	94
11	15625999	साक्षी	93
12	15626035	टी. श्रीयज्ञा	92
13	15626021	ओजस्वी खन्ना	90
भौतिक विज्ञान			
1	15626045	आद्यंत दुबे	96
2	15625987	हृदिशा हलधर	96
3	15626017	जिया जॉनसन	96
4	15626014	डेविड जोश	96
5	15626026	रीति सिंह	96
6	15626024	राहुल कथायत	96
7	15626043	यादव प्रतीक कुमार राजदेव	96
8	15625991	मेघा एम. नायर	96
9	15625981	अंकुर यादव	96
10	15625995	प्रियालश्रीधर आचार्य	95
11	15625982	अनुष्का निलेश निखलजे	95
12	15625977	ऐश्वर्या रामचन्द्र कुटे	95
13	15625983	अनुष्का	95
14	15626021	ओजस्वी खन्ना	94
15	15626038	वैदेही संतोष परमार	94
16	15625997	रक्षिता रावत	94
17	15626003	सृष्टि सिंह	93
18	15626028	साहिल यादव	93
19	15626039	वल्लभ कुमार पाणिग्रही	93
20	15626004	स्नेहा गुप्ता	93

KVS THANE

21	15625999	साक्षी	92
22	15625992	निहारिका मिश्रा	92
23	15625994	प्रज्ञा	92
24	15626018	मयंक कुमार	91
रसायन विज्ञान			
1	15626045	आद्यंत दुबे	96
2	15626017	जिया जॉनसन	96
3	15626024	राहुल कथायत	96
4	15625995	प्रियाल श्रीधर आचार्य	96
5	15626021	ओजस्वी खन्ना	96
6	15626014	डेविड जोश	95
7	15626026	रीति सिंह	94
8	15626028	साहिल यादव	93
9	15626043	यादव प्रतीक कुमार राजदेव	91
10	15626011	अनिरूढ़ गौतम	91
11	15625991	मेघा एम. नायर	90
12	15626025	रसेश सिंह	90
जीव विज्ञान			
1	15625995	प्रियाल श्रीधर आचार्य	99
2	15625981	अंकुर यादव	99
3	15625987	हृदिशा हलधर	99
4	15625997	रक्षित रावत	99
5	15625982	अनुष्का निलेश निखलजे	98
6	15625983	अनुष्का	96
7	15625992	निहारिका मिश्रा	96
8	15626004	स्नेहा गुप्ता	96
9	15625979	अमृता उन्नी कृष्णन नायर	96
10	15626001	शुक्ला संजिता	96
11	15625977	ऐश्वर्या रामचन्द्र कुटे	95
12	15625996	प्रियंका पोकाले	95
13	15626008	यादव नेहा कैलाश	95

14	15625999	साक्षी	94
15	15626006	उमा रामेश्वरी गणेश	93
16	15626005	स्नेहांजलि भट्ट	92
संगणक विज्ञान			
1	15626017	जिया जॉनसन	100
2	15626014	डेविड जोश	99
3	15626045	आद्यंत दुबे	98
4	15626026	रीति सिंह	96
5	15626011	अनिरुद्ध गौतम	96
6	15626038	वैदेही अन्तोष पवार	96
7	15626044	यश संतोष जाधव	96
8	15626036	तमन्ना त्रिपाठी	96
9	15626024	राहुल कथायत	95
10	15626032	सृष्टिसंतोष गायकवाड	95
11	15626020	निहाल सिंह	95
12	15626025	रसेश सिंह	94
13	15626022	पंडित सागरिका दिलीपकुमार	94
14	15626021	ओजस्वी खन्ना	93
15	15626028	साहिल यादव	93
16	15626039	वल्लभ कुमार पाणिग्रही	93
17	15626040	वीणा शर्मा	93
18	15626009	आकाश सिन्हा	93
19	15626010	अमितेश सिंह यादव	93
20	15626016	हर्ष गिरीश चंद्र मौर्य	93
21	15626012	अंकुर दीक्षित	93
22	15626043	यादव प्रतीक कुमार राजदेव	92
23	15626018	मयंक कुमार	92
24	15626013	अंशु यादव	92
25	15626023	प्रियांशु तिवारी	91
26	15626035	टी. श्रीयज्ञा	91
27	15626030	सत्यम सुनील बड़ाख	91

MIT THANE

28	15626019	नायर नीलिमा कृष्णन कुट्टी	90
29	15626041	वीरेंद्र भारत जैसवार	90
30	15626042	वृषाली बाबासो शिंदे	90
सूचना प्रायोगिकी			
1	15626053	नव्या विनोद	98
2	15626067	सृष्टिप्रिया	95
3	15626049	जीवानंद वेलु दुराई जेगानाथन	95
4	15626050	मणिकन्दन पेचि मुथु	93
5	15626069	सौरभ विनोद भानवाल	91
अर्थशास्त्र			
1	15626060	रिशा जैन	99
2	15626071	वैदेही प्रकाश घोंघले	96
3	15626066	सेजल त्रिपाठी	95
4	15626063	साहिल गणपट कांबले	94
5	15626053	नव्या विनोद	94
6	15626051	मृदुला संतोष	93
7	15626059	प्रियांशु तिवारी	92
8	15626061	रोशनी शिवाजी माने	92
9	15626067	सृष्टिप्रिया	91
10	15626047	गगनदीप कोचर	90
11	15626049	जीवानंद वेलु दुराई जेगानाथन	90
व्यावसायिक अध्ययन			
1	15626060	रिशा जैन	96
2	15626066	सेजल त्रिपाठी	95
3	15626067	सृष्टिप्रिया	95
4	15626047	गगनदीप कोचर	95
5	15626071	वैदेही प्रकाश घोंघले	94
6	15626053	नव्या विनोद	94
7	15626052	मृणालिनी संतोष	94
8	15626051	मृदुला संतोष	93
9	15626049	जीवानंद वेलु दुराई जेगानाथन	92

10	15626059	प्रियांशु तिवारी	91
11	15626061	रोशनी शिवाजी माने	91
12	15626068	श्रुति दगडू साबले	90
लेखा शास्त्र			
1	15626066	सेजल त्रिपाठी	96
2	15626053	नव्या विनोद	95
3	15626061	रोशनी शिवाजी माने	94
4	15626047	गगनदीप कोचर	93

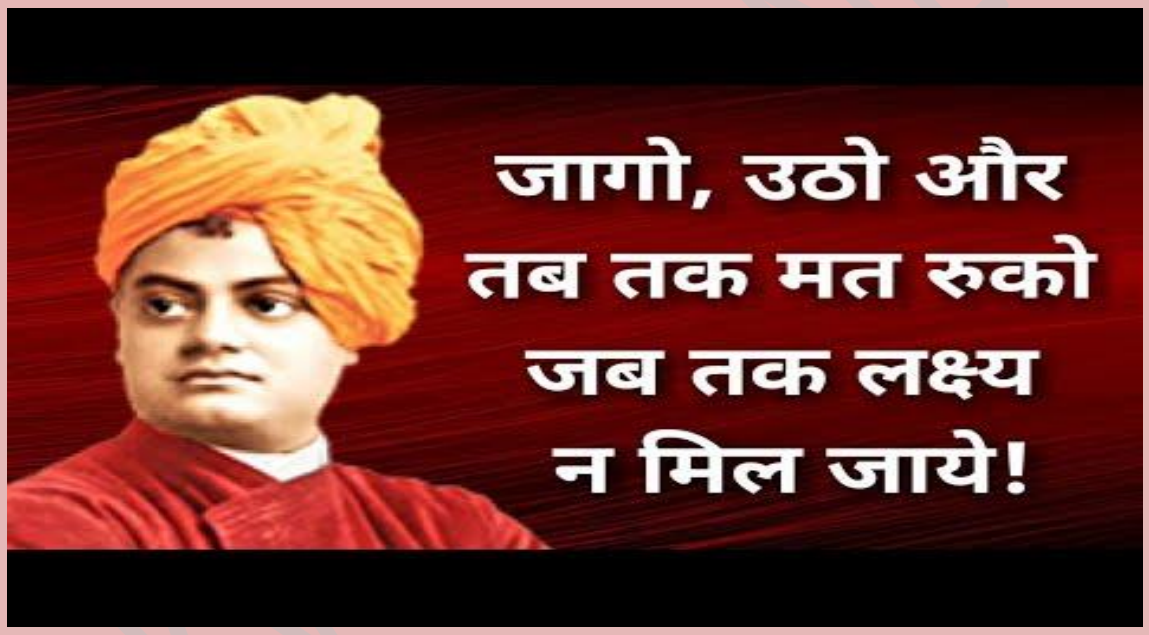

हिंदी विभाग

हिन्दी भाषा

सभ्य देश या, सभ्य देश था,
सभ्य हमारी भाषा थी ।
बनी रहे अपनी सह पूंजी,
हमे यही अभिलाषा थी ।

कहाँ गई अपनी वह भाषा,
कहाँ हमारा देश है ?
भूल गये क्या भारतवासी,
बापू का यह देश है ।

आज हमारी संस्कृति पर,
पश्चिम का रंग छाया है ।
छोड़ कर अपनी हिन्दी भाषा,
अंग्रेजी को अपनाया है ।

खान-पान व्यवहार सभी कुछ,
अपना नही पराया है।
चारो तरफ पश्चिमी सभ्यता ने,
अपना रंग जमाया है।

ओर तो ओर यह नेता अपने,
भी इसके गुलाम है ।
भाषण तो अंग्रेजी मे देते,
कहलाते महान है ।

फिर से जगाओ आत्म-गौरव,
जो भारत की शान है,
हिन्दी अपनी राष्ट्र की भाषा,
यही अपनी पहचान है।

-रिया
नवीं ब

KVAFS, JANE

भारत छोड़ कोरोना !

है तो बहुत छोटा-सा
होगा पतला या मोटा सा
जिसने पूरी दुनिया को दिया है दहला,
हाँ,वह है कोरोना
आज सब बैठे हैं घरों में ,
थोड़े डरे,कुछ सहमे
न जाने कब किसे क्या हो जाय
कोई न चाहता कि कोरोना उनके घर आए !
जो पूरे दिन खेलते थे मिट्टी से
अब धोते हैं हाथों को रोज बीस बार
गलती से भी हाथ न मिलाना भाइयों
करो दूर से से ही सबसे नमस्कार
आज हर सड़क और गली सूनी पडी है
घरों में बंद है बच्चों की किलकारी
फैली है भारत में भी कोरोना की महामारी
भारत सरकार भी है तैयार ,
हर राज्य में लगा है कर्फ्यू !!
लेकिन हम भारतवासी दूर रहकर भी हैं साथ ,
कोरोना !! यहाँ बच के दिखा अब तू !!

सोनल चतुर्वेदी
बारहवीं अ

एक समर्पण-सृजन को

भारतीय माता–पिता की एक ख़ास ख्वाहिश होती है कि उनका बच्चा उनसे बढ़कर निकले। जीवन के हर क्षेत्र में नाम कमाएं और कामयाबी की सीढ़ियों को पार करता ही जाए। जो कमियां उनकी जिंदगी में रह गई है ,बच्चे के जीवन पर उनकी परछाई भी ना पड़े। कुल मिलाकर उनकी आशा होती है कि उनका बच्चा हर क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ हो।

“बच्चा जब पैदा होता है , तो वह कोरा कागज होता है” ।

जिस प्रकार माली या किसान धरती को उपजाऊ बनाकर उसमें सही प्राकृतिक खाद , उत्तम बीज , समय पर पानी और धूप तथा खेत से अनचाहे पौधों की कटाई छटाई कर के अच्छी फसल बोता है। सुंदर फल और फूल हासिल करता है। परिवार में प्रतिभाशाली बच्चों की धारणा भी इसी सिद्धांत पर आधारित है। मनोवैज्ञानिक वंशानुक्रम के सिद्धांत के अलावा शिशु चाहे कोई भी हो , घर का माहौल उसे अच्छा या बुरा बना देता है। नवजात शिशु के व्यक्तित्व का इच्छा अनुसार मोड़ा जा सकता है। बीज में जबतक अपना अस्तित्व मिटाने की क्षमता न हो , मिट्टी में दबकर मर मिटने को तैयारी न – हो तब तक कोई भी बीज न फूल दे सकता है और न ही फल। दाना खाक में मिलकर गुले-गुलजार बनता है।

“संसार में पैदा होने वाला प्रत्येक बालक एक समान होता है,परंतु बाद में अच्छा या बुरा बनता है।”

शिशु के चरित्र निर्माण में सबसे बड़ा दायित्व माता और पिता का होता है , जैसा उनका व्यवहार होगा, वैसा ही बच्चे का होगा । आज के इस माहौल में इस बात की संभावना बिल्कुल समाप्त हो जाती है कि शिक्षा या समाज बच्चे के दृष्टिकोण को व्यापक बनाने में व उसमें भरने में कोई मदद करेगा। ऐसी अपेक्षा एवं आशा करना भूल है , आज दुनिया में उन सभी मूल्य एवं मान्यताओं को उखाड़ फेंकने की कोशिश की जा रही है। इस तरह माता पिता की जिम्मेदारी बढ़ जाती है–। यदि शुरू से ही अपनी संस्कृति या नैतिक मूल्यों के संस्कार बच्चों में भरे जाएं तो बाहरी प्रदूषण का उनके व्यक्तित्व पर विशेष प्रभाव नहीं होगा । आम का बीज माहौल के भावी प्रदूषण के बाद भी आम ही रहता है वह नीम नहीं बन जाता।

“बच्चों के साथ मित्रता का व्यवहार रखें।"

आज के इस नए दौर में मां- बाप का दायित्व बच्चों के प्रति बहुत बढ़ गया है , जिससे उनका जीवन अत्यधिक संघर्षमय हो जाता है। आज के इस दौर बच्चों के साथ मां- बाप मित्रता का व्यवहार रखें जिससे बच्चे इस प्रकार धूल-मिल जाए कि बच्चे कुछ भी आपसे ना छुपाए क्योंकि दोस्ती एक ऐसा रिश्ता है, जहां एक दूसरे से अच्छा या बुरा कहे बिना रहा नहीं जाता है। दोस्ती का व्यवहार रखने से बच्चों के मन में मां बाप की डांट-डपट का भय कम रहता है और बच्चे अपनी बात आसानी से कह सकते हैं ।

जिस प्रकार संगीतकार सात सुरों के संगम से एक लय बनाता है और यह लय एक संगीतकार ही बना सकता है जिसे सुनने से मन प्रफुल्लित होता है। ठीक उसी प्रकार माता-पिता अपने बच्चों में सही संस्कार आरोपित के भविष्य के लिए महापुरुष तैयार कर सकते हैं ।

दूसरों में बुराई देखने के पहले , अपने अंदर झांक ले।

प्रकाश कुमार राय
बारहवीं "अ"

जागो इन्सान जागो

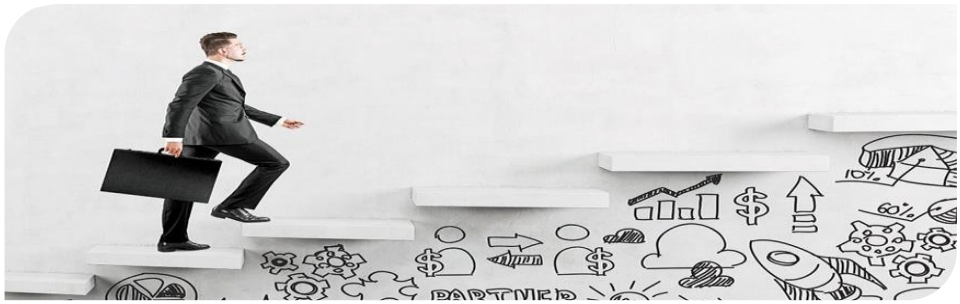

विश्व की गुहार है।
हर प्राणी की पुकार है।
जाग ऐ इंसान अब।
नहीं तो तेरी हार है।

है त्रासदी जो हर तरफ।
न खलबली की कर तलब।
अब रोक इस कराल को।
इंसानियत बेहाल है।

भर दंभ न किसी बात का।
मुड़ देख, कर तू गौर तलब।
इस सृष्टि के पटल पे अब।
किस बात पे निहाल है।

विश्व की गुहार है।
हर प्राणी की पुकार है।
जाग ऐ इंसान अब।
नहीं तो तेरी हार है।
नहीं तो तेरी हार है।

- अंगद शर्मा
नवीं ब

बादल काले-काले आए

दादुर मोर बहुत हर्षाए
साथ मे अपने वर्षा लाए
वर्षा से अब मन मुस्काए
रिमझिम रिमझिम पानी बरसे
सारे बच्चे मन में हरसे
खेतों में हरियाली बरसे
किसान का मन भी खूब -खूब हुलसे

--प्रखर मिश्र
चौथी अ

अपना भारत महान

दुनिया में सबसे न्यारा ,अपना भारत महान ।
हैजान से भी प्यारा , अपना भारत महान ।।
सारे जगत को अपना परिवार मानता है
इस **नीति** को सारा संसार जानता है
सदभाव का सितारा अपना महान भारत
है जान से भी प्यारा अपना महान भारत ।।
सबको सखा समझकर संशय रहित सुकोमल
देता उन्हें सहारा अपना महान भारत
है जान से भी प्यारा अपना महान भारत ।।
धरती पे स्वर्ग की है यदि कल्पना कहीं
है मुरत रूप लेती सच मानिए यहीं पर
कश्मीर का शिकारा अपना महान भारत
है जान से भी प्यारा अपना महान भारत ।।

- आयुष्मान साहु
पाँचवी अ

एकता में बल

एक बार की बात है जब मैं नानी के घर गई थी। उस समय मैं अपनी नानी के यहाँ छत पर खड़ी थी। घर के सामने खेत में फसल लगी थी। खेत के बीच में बिजली का पोल था। अचानक पोल में लगी तार से चिंगारी सूखी फसल के ऊपर गिर गई। धीरे-धीरे फसल जलने लगी। यह देख बगल के एक अंकल आग-आग चिल्लाकर एक बाल्टी में पानी लेकर दौड़े। थोड़ी देर में कई सारे गांव वाले बाल्टी में पानी लेकर आग बुझाने लगे। इस तरह आग बुझ गई और बहुत सारी फसल बरबाद होने से बच गई ।इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि एकता में बल होता है ।

निधि गुप्ता
चौथी ब

प्यारी मैना-मेरी प्रेरणा स्रोत

इस कोरोना काल में जब-जीवन अस्त –व्यस्त हो गया तब एक दिन आशा की किरण ले वह मेरे घर के बगीचे में आ बैठी | मैं घर के भीतर खिड़की से उसे एक टक ताक रहा था | लडखडाती वह एक पैर पर पूरी कोशिश कर दाना चुग रही थी | मैंने भी उस लाचार मैना की तरह एक पैर पर चलना चाहा पर कुछ ही क्षणों में मेरा दम भर आया | उस एक पल में यह एहसास हुआ कि जीवन कितना द्रूभर भी हो सकता है |

मैं अपने घर की चारदीवारी में महफूज था और फिर भी कितना परेशान | वह एक नन्हीं सी चिड़िया अपना एक पाँव खो देने के बाद भी जीवन की लड़ाई पूरे साहस के साथ लड़ रही थी | वो नन्हीं मैना दाना चुग-चुग अपना घोसलें में जाती और अपने बच्चों को दाना खिलाती | उसके इस संघर्ष ने प्रेरणास्रोत बन मेरे जीवनमें नया उत्साह भर दिया | मैं रोज अब अपनी इस प्यारी मैना को दाना-पानी देता हूँ | अब मुझे जीवन की किसी भी कठिनाई से निराश होने की वजह नजर नहीं आती

अंगद शर्मा
नवी ब

हँसना ही जीवन है |

मनुष्य के जीवन में हँसना एक स्वाभाविक क्रिया है | आदमी जब खुश होता है, तब उसकी खुशी हँसी बनकर प्रकट होती है । हँसते समय उसके दाँत दिखाई पड़ते हैं और चेहरे पर खुशी के भाव आते हैं । आवाज अनोखी हो जाती है।हँसने से कई लाभ होते हैं। हँसने से मन के सारे तनाव दूर हो जाते हैं। मन कली की तरह खिल उठता है । इससे वातावरण आनंदमय बन जाता है ।हँसी व्यायाम का भी काम करती है । इससे शरीर में रक्त का संचार ठीक से होनेलगता है। हँसने से स्वास्थ्य अच्छा रहता है । जो हँसता है, वह जीवन में सफल और आबाद होता है । इसलिए आजकल शहरों में 'हास्य क्लब' खुल रहे हैं।
साहित्य में भी हँसी को महत्व दिया गया है। कुछ लेखक तो हास्य–विनोद की रचनाएँ ही लिखते हैं ।हँसने से दुःख घटता है और सुख बढ़ता है | सचमुच, जो हँसता है, वहाँ अपने जीवन को सफल बना सकता है ।

ऋतुजा जगदाले
दसवीं स

हमारा गौरव

सभ्य मानव जाति का इतिहास करीबन 6 हजार साल पुराना रहा है। इस सभ्यता की पहली शिला के स्थापना के साथ ही मानव ने प्रगति के ऐसे चक्र को शुरू किया जो आज तक विकासमान है और हमें विस्मय करने के नए-नए कारण देती रहती है।इस लंबे समय में अनगिनत ऐसे कार्य हुए जो हर बार कुछ बदलकर और नया रूप लेकर मानव का हाथ थामे चलती रही है। पर आश्चर्य की बात यह है की ऐसी भी कई चीजें रही है जो बिना किसी बदलाव अपने मूल रूप में पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ रही है और एक बहुत लंबा सफर तय कर रही हैं। पूर्वजों से मिली ऐसी ही वस्तुएं अनुभव या कुछ अन्य विरासत कहलाती है जिसने सदियां गुजरती देखी है जो बतलाती है कई कहानियों को, कुछ सच तो कुछ गढ़ी हुई कई गलतियों को ।

विरासत का वास्तविकता में कोई रूप नहीं, यह है तो केवल एक पीढ़ी की संजो कर रखी गई निशानी जो दी जाती है अगली पीढ़ी को एक जिम्मेदारी की तरह या फिर एक तोहफे की तरह। अपने पूर्वजों से मिले यह उपहार बताते हैं हमारे आज को नहीं बल्कि हमारे बीते हुए कल को कि हम आखिर कहां से आते हैं, कितना शालीन था हमारा इतिहास और हमने क्या खोया क्या पाया था अपने बीते समय में। यानी कि विरासत जुड़ जाती है हमारे अस्तित्व, से हमारी गरिमा से और हमारी जड़ों से। ऐसे में बन जाती है हमारी विरासत हमारा गौरव। भारत का यह गर्व यानी कि उसकी विरासत हिंद महासागर जैसे ही बहुत विशाल और बहुत गहरी है जिसे समय की रस्सी से नापना और किताबों के अक्षरों से व्यक्त करना कम पड़ जाता है।कहा जाता है इतिहास से ही बनता है वर्तमान और आज भारत में हर रोज हर जगह दिखती है इतिहास से मिली विरासत की झलक।यहां की फिजाओं में मसालों की खुशबू है तो रंगरेजों के कपड़े के रंगों की महक।हर मां की रसोई में मिलते हैं दादी नानी के नुस्खे और सुनाई जाती है वही कहानियां जिसे न जाने कितनी पीढ़ियां सुनकर बड़ी हुई है। यहां के त्योहारों की रंगोली, लोक संस्कृति, भाषाएं बोलियां, पकवानों का स्वाद सावन का उमंग भादो के झूमर युग पुरुषों के उपदेश योग का ज्ञान अतीत के स्मारक सब है बीते हुए कल की निशानी जिन्हें जाना है आने वाले कल तक।

वक्त बदला सदियां गुजरी तख्त बदले सोचने समझने के तरीके बदले पर फिर भी भारत गाता रहा है अतिथि देवो भव का गान।कुछ धर्म यही के जन्मे है कुछ ने आके घरौंदा बसाया है, और यहीं से मिल जाती है हमें हमारी सबसे बड़ी विरासत। यानी कि जब सभी के सुर ताल सभी की भाषाएं मिल जाती है जन गण मन के एक ही गान में जब सब का नारा बन जाता है एक और जब सब खड़े होते हैं एक ही तिरंगे के नीचे लेते हुए आजाद भारत में स्वास। यही हमारा सर्वोपरि गर्व है यही हमारी पहचान है।

निशाकुमारी
दसवीं (व)

माँ गंगा

गंगा नदी से भी बढ़कर है ।
गंगा पवित्र है और माता के समान है ।
गंगा भारतीय राज्य उत्तराखंड में पश्चिमी हिमालय से शांतिपूर्वक बहती है ।
गंगा हमेशा हमारी रक्षा करने और हमारे जीवन में खुशियां लाने के लिए है ।
गंगा में प्रदूषण पानी में तेल की तरह है ।
आइए हम सब मन गंगा की रक्षा करें और मन गंगा को प्रदूषित करना बंद करें ।

प्रार्थना गणेश बांगर
सातवीं ब

हमारा पर्यावरण

पर्यावरण मे वह सभी प्राकृतिक संसाधन शामिल हैं जो कई तरीकों से हमारी मदद करते हैं तथा चारों ओर से हमे घेरे हुए है। यह हमें बढ़ने तथा चारों विकसित होने का बेहतर माध्यम देता है, यह हमे वह सब कुछ प्रधान करता है जो इस ग्रह पर जीवन यापनकरने हेतु आवश्यक है। हमारा पर्यावरण भी हमसे कुछ मदद की अपेक्षा रखता है जिससे की हमारा लालन पालन हो, हमारा जीवन बना रहे और कभी नष्ट न हो। तकनीकी आपदा के वजह से दिन प्रति दिन हम प्राकृतिक तत्व को अस्वीकार रहें हैं। पृथ्वी पर जीवन बनाए रखने के लिए हमे पर्यावरण के वास्तविकता को बनाए रखना होगा। पूरे ब्रम्हांड मे बस पृथ्वी पर ही जीवन है ।वर्षो से प्रत्येक वर्ष 05जून कोविश्व पर्यावरण दिवस के रूप में लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए तथा साथ ही पर्यावरण स्वच्छता और सुरक्षा के लिए दुनिया भर में मनाया जाता है। पर्यावरण दिवस समारोह के 'विषय को जानने के लिए हमारे पर्यावरण को किस प्रकार सुरक्षित रखा जाये तथा हमारे उन सभी बुरी आदतों के बारे में जानने के लिएजिससे पर्यावरण को हानि पहुंचता है। हम सभी कोइस मुहिम का हिस्सा बनना चाहिए।

वेद कैलाश कोली
सातवीं व

हिंदी मेरी मातृभाषा

प्रकृति की पहली भाषा ॐ है
मेरी हिंदी भाषा भी इसी ,ॐ की देन है
देवनागरी लिपि है इसकी ,देवो की कलम से उपजी
बंगला ,गुजराती ,भोजपुरी ,डोगरी ,पंजाबी और कई
हिंदी ही है इन सबकी जननी
कहते है मातृभाषा को बदल डालो
बदल सको क्या तुम अपनी माता को ?

मातृभाषा का क्यों बदलाव करो
देवो की भाषा का क्यों तुम तिरस्कार करो ?
बदल सको तो तुम अपनी सोच को बदलो
हर एक भाषा का दिल से सम्मान करो
हिंदी की जड़ों पर आओ हम गर्व करे
हिंदी भाषा पे हम गर्व करे

गायत्री ठाकुर
आठवी अ

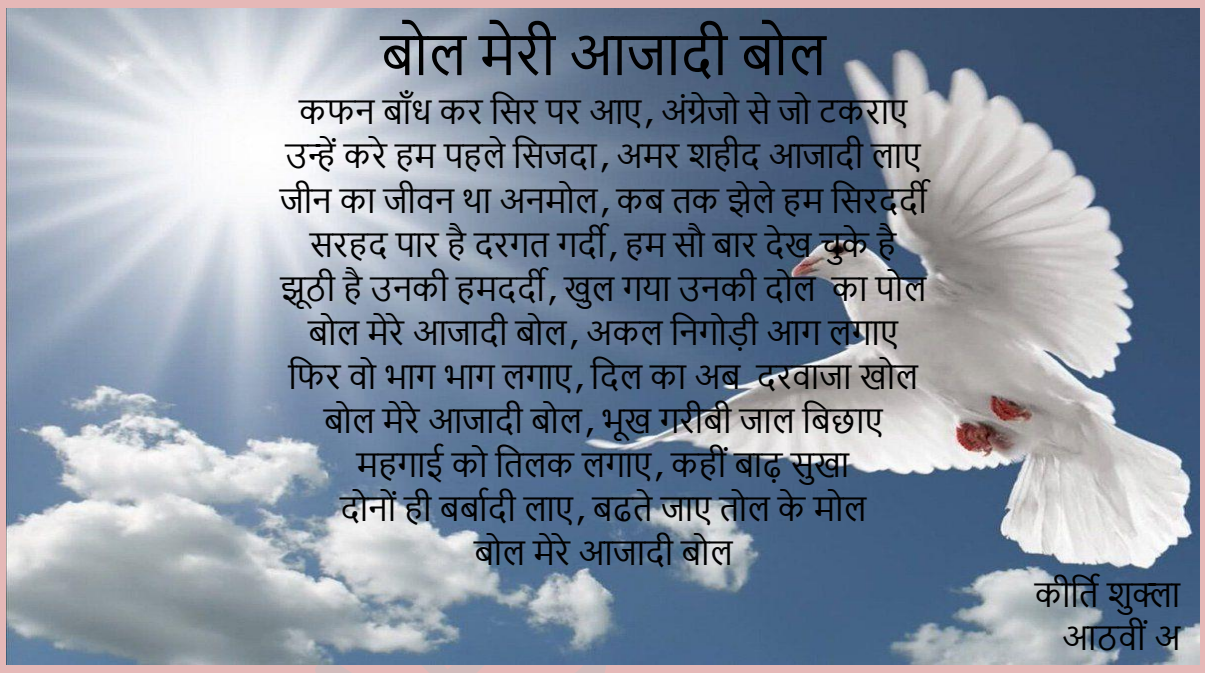

बोल मेरी आजादी बोल

कफन बाँध कर सिर पर आए, अंग्रेजो से जो टकराए
उन्हें करे हम पहले सिजदा, अमर शहीद आजादी लाए
जीन का जीवन था अनमोल, कब तक झेले हम सिरदर्दी
सरहद पार है दरगत गर्दी, हम सौ बार देख चुके है
झूठी है उनकी हमदर्दी, खुल गया उनकी दोल का पोल
बोल मेरे आजादी बोल, अकल निगोड़ी आग लगाए
फिर वो भाग भाग लगाए, दिल का अब दरवाजा खोल
बोल मेरे आजादी बोल, भूख गरीबी जाल बिछाए
महगाई को तिलक लगाए, कहीं बाढ़ सुखा
दोनों ही बर्बादी लाए, बढते जाए तोल के मोल
बोल मेरे आजादी बोल

कीर्ति शुक्ला
आठवीं अ

सिंगल यूज़ प्लास्टिक

प्लास्टिक की थैलियों का उत्पादन जो सिंगल यूज़ प्लास्टिक है विषाक्त पदार्थों को छोड़ता है जो इसके उत्पादन में शामिल लोगों में गंभीर बीमारी का कारण बन सकता है। प्लास्टिक पर्यावरण प्रदूषण के प्रमुख कारणों में से एक है। प्रदूषित वातावरण मानव में विभिन्न रोगों का एक प्रमुख कारण है।

हमें सिंगल यूज़ प्लास्टिक **के कारण होने वाली समस्याओं को समझने और उनके उपयोग को रोकने की आवश्यकता है। इसलिए यह स्पष्ट है कि हम** सिंगल यूज़ प्लास्टिक **का उपयोग न करें एवं पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों और सेवाओं की ओर बढ़ें। हमें अपने ग्रह, पर्यावरण और मानव की रक्षा के लिए single use plastic का उपयोग करना बंद कर देना चाहिए। भारत सरकार ने भारत को** सिंगल यूज़ प्लास्टिक **से मुक्त करने के लिए देश भर में single use plastic के उपयोग को हतोत्साहित करने के लिए एक multi-ministerial योजना की शुरुआत की है। प्लास्टिक बैग, कप, प्लेट, पानी की बोतल आदि पर देश व्यापी प्रतिबंध पहले से लागू है।**

सिंगल यूज़ प्लास्टिक क्या है?

वह प्लास्टिक **जिसका उपयोग हम केवल एक ही बार करते है** सिंगल यूज़ प्लास्टिक **कहलाते है। साधारण भाषा में हम लोग इसे डिस्पोजेबल प्लास्टिक कहते हैं** सिंगल यूज़ प्लास्टिक **में प्लास्टिक की थैलियां (Plastic Bags), पॉलीथिन (Polythene), Straws, प्लास्टिक के गिलास (Plastic Glass), सोडा और पानी की बोतलें (Soda and Water Bottles) और खाद्य पैकेजिंग आइटम (Food packaging items)आदि शामिल हैं।**

सिंगल यूज़ प्लास्टिक बैन क्यों किया जा रहा है?

जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरूप बिगड़ता पर्यावरण सम्पूर्ण विश्व के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय है.. इसलिए विश्वभर के देश सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल को रोकने के लिए कठोर रणनीति बना रहे हैं, जिससे सिंगल यूज प्लास्टिक से उत्पन्न होने वाली बीमारियों एवं प्रदूषण पर नियंत्रण किया जा सके।

मानस कोली
नवी बी

कविता-घट को देखो

जिसमें चिता की राख है उस घट को देखो,
फिर खुद के भीतर बचपने की हठ को देखो,

क्या मिलेगा मौत से पंजा लड़ाकर,
जहाँ ढेर लाशों के लगे हैं उस मरघट को देखो!
देखो उजाले को निगलती रात देखो,
देखो गगन से जोर की बरसात देखो,
देखो खंडरों पर छल कपट की घात देखो,
देखो उजड़ते शहरों के तुम हालात देखो,
क्या मिलेगा मौत से पंजा लड़ाकर,
देखो बिखरती जिंदगी के पात देखो!

घर पर🏠रहिये..... सुरक्षित रहिये

-आकांक्षा
छठी अ

बढ़ता प्रदूषण

जैसा कि हमारे देश के लोगों ने देश को दिन-ब-दिन विकसित करना शुरू कर दिया है, वे विशेष हरित पर्यावरण की देखभाल करना भूल रहे हैं। लेकिन विकास करते समय कुछ हानिकारक चीजें भी बन गई हैं। उनमें से एक है प्रदूषण। यह प्रदूषण हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है क्योंकि इनमें बहुत सारे रासायनिक और धूल के कण होते हैं। सवाल यह है कि यह प्रदूषण कहां से आता है? यह कचरे के रूप में वाहनों, कारखानों और काम के उद्योगों के काम से आता है। ये चीजें प्रदूषण के कचरे को पानी, हवा या मिट्टी में बाहर फेंक देती हैं जिससे यह गंदा हो जाता है। अगर ऐसा ही चलता रहा तो इसका असर नई पीढ़ी पर पड़ेगा। यह सब बंद होना चाहिए और यह सब हमारे हाथ में है इसलिए हमें अपनी धरती मां के पर्यावरण की देखभाल के लिए कुछ चीजें करनी होंगी।

1.कम दूरी तक पहुँचने के लिए साइकिल लें या पैदल चलें।
2.यात्रा करने के लिए जहां तक संभव हो सरकारी वाहन का प्रयोग करें।
3. प्लास्टिक सामग्री न खरीदें।
4.जितना हो सके उतने पौधे उगाएं।
5.पटाखे कभी न जलाएं।
6.पेड़ों को कभी न काटें आदि।

प्रिया निकम
सातवीं अ

समय को भी तेरी तलाश है

तू खुद की खोज में निकल
तू किस लिए हताश है,
तू चल तेरे वजूद की
समय को भी तलाश है।

जो तुझसे लिपटी बेड़ियां
समझ न इनको वस्त्र तू
ये बेड़ियां पिघला के
बना ले इनको शस्त्र तू।

चरित्र जब पवित्र है
तो क्यों है ये दशा तेरी
ये पापियों को हक नही
कि ले परीक्षा तेरी।

जला के भस्म कर उसे
जो क्रुरता का जाल है
तू आरती की लौ नही
तू क्रोध की मशाल है।

चुनर उड़ा के ध्वज बना
गगन भी कंपकपाएगा
अगर तेरी चुनर गिरी
तो एक भूकंप आएगा।

सृष्टि नंद
आठवीं अ

कन्यादान और लड़की का जीवन

बचपन से यही सुना है , "चली जायेगी तू अपने घर"
क्या यह कोई बतलाएगा , हूँ मैं अभी कहाँ पर?
स्वर्ण सा सुन्दर , पुष्प सा कोमल ,
बचपन बीते जिस आँगन में ,
उसे छोड़ वह कहाँ जाएगी
है उलझन यह उसके मन में ।
बचपन बीता यौवन आया
माँ -बापू पर चिन्ता को साया ।
हो गई अब लड़की जवान ।
करना है अब कन्यादान ।
कन्या -दान , कन्या का दान ।
क्या है वो एक उसमें कोई जान
निर्जीव जैसे दान में देकर
कहते है 'हुआ कल्याण '
जिस बेटी को जीवन भर पाला
जिससे दूर रखी कष्टों की ज्वाला ,
जिसका रखा उम्र भर ध्यान ।
उसे विदा कर हो गया कल्याण ।
कैसी 'कल्याण' की यह परिभाषा
कैसी यह जीवन की गाथा
कैसा यह संसार का नियम
कैसा यह लड़की का जीवन ।

स्नेहा मुखर्जी
दसवीं ब

भारतीय वीर सैनिक

सैनिक वो हैं जो वीरता को गले लगाते हैं, हर हाल में अपना कर्तव्य कर जाते हैं।
इस मिट्टी के हैं, मिट्टी में मिल जाते हैं, इसीलिए तो शूरवीर कहलाते हैं।।
सैनिक शील हैं:
तपती गर्मी को सहन कर जाते हैं ।
ठिठुरती ठंड को भी निगल जाते हैं।
बारिश की बौछारों की न करें परवाह
देश के दुश्मनों पर करे अचूक प्रहार
इसीलिए तो शूरवीर कहलाते हैं।।
सैनिक ढाल हैं:
जो खून-पसीने से रात-दिन एक कर जाते हैं, वर्दी पहन देश रक्षा की कसमें खाते हैं।
निरंतर नभ मंडल में तिरंगा फहराते हैं, इसीलिए तो शूरवीर कहलाते हैं।।
सैनिक लाल हैं:
जो सीने पर गोली खाकर, माँ धरती के लिए लहू बहाते हैं ।
हँसते-हँसते देश के सम्मान में जान लुटाते हैं।
खुशहाल मातृभूमि की खातिर अमर हो जाते हैं
इसीलिए तो शूरवीर कहलाते हैं।।

साक्षी झा
दसवीं अ

कलाओं का अस्तित्व व्यवस्था का मोहताज नहीं है

बहुत सुन्दर पंक्ति है कि कलाओं का अस्तित्व व्यवस्था का मोहताज नहीं है। कला मनुष्य के ह्रदय का भीतरी अंग है। इसे मनुष्य ने कहीं से नहीं सीखा है अपितु स्वयं मनुष्य के दुखी अथवा आनंदित ह्रदय से उपजी है। कला को व्यवस्था की आवश्यकता नहीं है। इसके लिए तो बस लगन की आवश्यकता है। सच्चे भाव की आवश्यकता है। जहां भाव होता है यह वहीँ विकसीत हो जाती है। यह तोआज के मनुष्य ने इसे बाँधने की कोशिश की है। यदि कलाकार व्यवस्था द्वारा पोषित है और अपनी कला के प्रति पूर्ण समर्पित नहीं है तो वह कभी भी जनमानस में अपना स्थान नहीं बना पाएगा। किसी कला को विकसित करने में कलाकार का अपनी कला के प्रति एकनिष्ठ, समर्पण, भावना उसकी अथक मेहनतऔर जनमानस का प्यार, सराहना आवश्यक तत्व होते है। कला अपने बूते पर जीवित रहती है। कोई इसे मिटाना चाहे तब भी यह जीवित रहती है। फिर चाहे इसका रूप ही क्यों न बदल जाए व्यवस्थाएं कला को विकासशील बना सकती है लेकिन कला उनपर आश्रित बिलकुल नहीं। कई बार कला ही व्यवस्था कोई सुव्यस्थित कर देती है। कला एक अमर और शाश्वत सत्य है जिसे निराश्रित नहीं किया जा सकता।

अंजलि तिवारी
बारहवीं अ

बादल

बादल-बादल आसमान में,
झूम-झूमकरजाते हैं ।
बादल-बादल आसमान में,
झूम-झूमकरगातेहैं ।
जब भी धरती सूखी पड़ती
पानी वे बरसाते हैं
बादल- बादल आसमान में,
झूम-झूमकर जातें हैं
सूखे खेतों को भी हरा-भरा कर जाते हैं ।
बादल को देखो कितने अच्छे कितने प्यारे लगते हैं।
वर्षा ऋतु में आसमान में
चारों तरफ छा जाते हैं।
बादल-बादल आसमान में
झूम-झूम कर जाते हैं।

अनन्या मण्डल
चौथी ब

सकारात्मक सोच की शक्ति

सकारात्मक का अर्थ होता है, सही सोचना या अच्छा विचार तथा अपने अस्तित्त्व को पहचानना होता है| जैसे किसी भी कार्य में खुद को केवल कुशल भर नहीं मानना, यदि वह कार्य करने में कुशल नहीं हो तो उस बात को स्वीकार करना | सकारात्मक विचार के बिना जीवन अधुरा है | अगर आप सकारात्मक सोंच रखते हैं तो यह विचार आपकी ज़िन्दगी बदल देगी |

हमारे जीवन में सकारात्मक विचार का महत्त्व बहुत ज्यादा है | क्योंकि जब हमारी विचार सही होती है, तभी हम सकारात्मक सोंचते हैं | तभी हमारे सारे काम सही तरीके से पुरे होते हैं |हर एक व्यक्ति अपने जीवन में सफल होना चाहता है, तथा आगे बढ़ना चाहता है |

यह उसके संघर्ष , परिश्रम और प्रयासों पर निर्भर रहता है, परन्तु जीवन में दुःख, समस्याएँ और चुनौतियां तो आती रहती हैं – इनसे अबतक कोई नहीं बच पाया है | जीवन में सफल वही हुए हैं, जो संघर्ष करते हुए विजय पाने का हौसला रखते हैं |वही व्यक्ति सकारात्मक विचार रखते हैं, जिनकी सोंच सकारात्मक बन जाती है तो उनके परिणाम भी सकारात्मक आने लगते हैं | सकारात्मक विचार के व्यक्ति समस्याओं के बारे में नहीं बल्कि उनके समाधानों की संभावनाओं को विकसित करनें में विश्वास रखता है |

तो अगर आप अपनी ज़िन्दगी में बदलाव लाना चाहते है तो अपने विचारो को सकारात्मक बनाइये और देखिये आपकी ज़िन्दगी कैसे बदलने लगती है।

- जिगिशा निकुंभ
दसवी 'अ'

क्यूँ मेरा भारत बदल गया

कुछ हाथो से उसके फिसल गया
वह पलक-झपक कर बदल गया
फिर लाश बिछगई लाखो की
सब पलक-झपक कर बदल गया
जब रिश्ते राख मे बदल गये
इंसानो का दिल दहल गया
मै पुछ-पूछकर हार गया
मेरा भारत क्यू बदल गया।

नाम-आयुष सिंह
कक्षा सातवीं अ

विविधता में एकता

“विविधता में एकता” का अर्थ है अनेकता में एकता । कई वर्षो से इस अवधारणा को साबित करने वाला भारत एक श्रेष्ठ देश है। भारत एक ऐसा देश है जहाँ पर विविधता पर एकता देखने के लिए ये बहुत स्पष्ट हैं, क्योंकि अपने धर्म के लिए एक-दूसरे की भावनाओं और भरोसे को बिना आहत किए बिना कई-कई धर्मो, नस्लों, संस्कृतियों और परंपराओ के लोग एक साथ रहते है । भिन्नताओं के बावजूद भी वो भाईचारे और मानवता के संबंध के साथ रहते है। ''विविधता में एकता" भारत की एक अलग विशेषता है, जो इसे पूरे संसार भर में प्रसिद्ध करती है। आम तौर पर आपनाने और उदार होने के महान प्राचीन भारतीय संस्कृति का अनुसरण भारत के लोग करते हैं, जो स्वभाव में उन्हें समाविष्टक बनाता है। '"विविधता में एकता” समाज के लगभग सभी पहलुओं में पूरे देश में मजबूती और संपन्नता का साधन बनता है। अपनी रीति-रिवाज और विश्वास का अनुसरण करने के द्वारा सभा धर्मों के लोग अलग तरीके से पूजा पाठ करते हैं । बनियादी एकरुपता का अस्तित्व को प्रदर्शित करता है । "विविधता में एकता" विभिन्न असमानताओं को अपनी सोच से परे लोगों के बीच भाईचारे और समरसता की भावना को बढ़ावा देता है। भारत अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिये प्रसिद्ध है जो कि विभिन्न धर्मों के लोगों के कारण है। अपने हित और विश्वास के आधार पर विभिन्न जीवनशैली को अलग-अलग संस्कृति के लोग बढ़ावा देते है। ये दुबारा से विभिन्न पेशेवर क्षेत्रों में जैसे संगीत, कला, नाटक, नृत्य, नाट्यशाला, मूर्तिकला आदि में वृद्धि को बढ़ावा देता है। लोगों की आध्यात्मिक परंपरा उन्हें एक-दूसरे के लिए अधिक धर्मनिष्ठ बनाती है। सभी भारतीय धार्मिक लेख लोगो की आध्यात्मिक समझ का महान साधन है। लगभग सभी धर्मों में ऋषि, महर्षि, योगी, पुजारी, फादर आदि होती है। जो अपने धर्मग्रंथों के अनुसार अपनी अपनी आध्यात्मिक परंपरा का अनुसरण करते हैं।

भारत में हिन्दी मातृ-भाषा है हालाँकि अलग-अलग धर्म और क्षेत्र (जैसे इंग्लिश, ऊर्दु, संस्कृत, पंजाबी, बंगाली, उड़िया आदि) के लोगों के साथ या उनके द्वारा कई दूसरी बोली और भाषाएँ बोली जाती है। जो भी हो महान भारत के नागरिक होने पर गर्व महसूस करते है।

भारत की "विविधता में एकता" खास है जिसके लिए ये पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। ये भारत में बड़े स्तर पर पर्यटन को आकर्षित करता है। एक भारतीय होने के नाते, हम सभी को अपनी जिम्मेदारी समझी चाहिए और किसी भी किमत पर इसकी अनोखी विशेषता को काय रखना चाहिए । यहाँ "विविधता में एकता" वास्तविक खुशहाली होने के साथ ही वर्तमान तथा भविष्य की प्रगति के लिए रास्ता है।

“अनेकता में एकता ही हमारी शान है ,
इसीलिए तो मेरा भारत महान है !

तान्या सिहं
आठवीं अ

कोरोना का कहर

मनुष्य ने हद कर दी पार,पशु- पक्षी को बनाकर आहार।
प्रकृति भी झकझोर गई थी,सहनशीलता उसकी समाप्त हुई थी ।
मनुष्य को उसका स्तर दिखाने ,अनंत भूलो का अहसास कराने ।
कोरोना नामक नव वायरस आया,अपने संक्रमण को विश्व मे फैलाया ।
आधुनिकता भी ना जान सकी ,तकनीक भी ना पहचान सकी ।
इसका प्रकोप इतना बड़ा था ,चीन ने यह अभिशाप गढ़ा था ।
करोना की पहचान समझ लो ,हल्का बुखार , छीक आदि से बच लो ।
योग , व्यायाम करो रोज तुम ,करोना से लड़ने का प्रण करो तुम ।
आज हमें अवसर मिला है ,अपने विश्व को बचाने का ।
योद्धा बन , घर में रहे,अब कुछ कर दिखलाने का ।
लॉकडाउन के समर्थक बन जाओ शांति अमन का दीप जलाओ ,
नियमों का पालन करके तुम सब, मिलकर कोरोना से लड़ जाओ ।

– साक्षी दहिया
छठी 'अ'

पहेलियाँ

१.आगे–आगे मौजी भैया
पीछे–पीछे पूंछ,
बढ़ते जाएँ मौजी भैया,
घटती जाए पूंछ।

बूझो तो जानो
२.काला मुंह लाल शरीर,
कागज को वह खाता।
रोज शाम को पेट फाड़कर,
उन्हें कोई ले जाता।
बूझो तो जानो

३. ऊंट की बैठक
हिरन की चाल
बताओ उस जानवर का नाम
जिसके दुम न बाल।

उत्तर— १. सुई और धागा२. लेटरबॉक्स ३. मेंढक

उज्जवल उपाध्याय
आठवीं "ब"

रोग, योग, और आयुर्वेद

वास्तव में योग रोग प्रतिबंधक है, रोग निवारक नहीं, परंतु अनुभव से सिद्ध हुआ है कि छोटे स्वरूप के और प्रारंभिक अवस्था के कुछ रोग जैसे सर्दी, खांसी, कफ के सर्व विकार, मलावरोध आदि तकलीफ योग के प्राथमिक शुद्धी क्रिया से नष्ट हो सकती है।योग के यम-नियम का पालन करने वाला, उसे सिद्धि प्राप्त होती है। हमारे पूर्वजों ने भारतीयों को दिए हुए योग और आयुर्वेद जिसका अमृत संचय एक पवित्र वरदान है इस यम-नियम को हासिल करने की पात्रता हमें निर्माण करनी होगी।

यम-नियम

यम

1. - अहिंसा – हिंसा न करना, वाणी से,कृति से, मन से किसी को ना दुखाना ।
2. - सत्य – हमेशा सत्य बोलना हमारा जीवन सत्य पर आधारित करना ।
3. - अस्तेय – हमारा रहन-सहन सीधा-साधा रखना और कम खर्चे में जीवन गुजारना।
4. - ब्रम्हचर्य–शारीरिक, मानसिक, सामाजिक आदि सर्व शक्ति ब्रम्हचर्य पर आधारित है।
5. - अपरिग्रह – कोई भी वस्तु की लालच ना करते हुए संग्रह करने की प्रवृत्ति ना रखना।

नियम

1. शौच – मिट्टी एवं पानी से शरीर को स्वस्थ रखना बाह्य शौच कहलाता है।
2. संतोष – समाधानी रहना लालच न करना।
3. तप – अपने ध्येय के प्राप्ति के लिए प्रबल इच्छाशक्ति से प्रयत्न करना तप कहलाता है।
4. स्वाध्याय – जीवन को मंगलमय बनाने वाले विषयों का अभ्यास करना ही स्वाध्याय कहलाता है।
5. ईश्वर प्रणि धान – बिना किसी स्वार्थ के परमेश्वर की भक्ति करना।

मयूर विलास उघाड़े
सातवीं अ

पहेली

पहेली:-मेरे पास गला है पर सिर नहीं है, मेरी बाजू है पर हाथ नहीं है, बताइए मैं कौन हूँ ?
उत्तर:-कमीज

पहेली:-रोशनी मुझे बनाती है, अंधेरा मुझे मारता है, बताइए मैं कौन हूँ ?
उत्तर:-परछाई

अनुश्री कुंभर
चौथी ब

समय के साथ मत भाग जिंदगी

तुझसे किसने कहा, तुझे उसके साथ है
कदम मिला कर चलना, क्यों अपनी रफ़्तार
तू ख़ुद तय नहीं करती, क्यों समय के पीछे-पीछे
अंधाधुंध होकर है चलती, क्यों अकेले चलने सेतू है डरती,
मान ले बात, डर के कभी
कोई राह नहीं मिलती
हौसला रखने से, है हर बात बनती. . .

भार्गवी
आठवीं ब

कोशिश कर

कोशिश कर , हल निकलेगा ,
आज नही तो , कल निकलेगा ।
अर्जुन के तीर सा सध ,
मसस्थल से भी जल निकलेगा ।।
मेहनत कर , पौधे को पानी दे,
बंजर ज़मीन से भी फल निकलेगा ।
ताकत जुटा , हिम्मत को आग दे ,
फोलाद का भी भल निकलेगा ।
जिंदा रस्व, दिल में उम्मीदों को ।।

ऋचा उपाध्याय
आठवी अ

सच्चा दोस्त

कदम-कदम पर तरक्की हो,
दोस्त हमेशा याद रखो।
दोस्ती का रिश्ता पक्का है,
दोस्त तुम्हारा अच्छा है।
दोस्त कभी भूलो नहीं,
उसकी मदद करो तुम्ही।
दोस्त को भला-बुरा बोलो नहीं,
गलती अपनी ढूंढो कभी।
दोस्त की सुनो तुम सलाह सही,
फिर उसे दो अपनी सलाह सही।
दुआ करो दोस्त की सलामती,
दुख उसे पहुँचाओ नहीं
दुआ करो बस इतनी-सी,
जो लिखा है, हो वही।

संस्कृति
सातवीं ब

भगत सिंह की शादी

हुई थी एक दिन भगत सिंह की शादी, दुल्हन बनी थी उसकी आज़ादी।
मौत को गहना बनाया,
कफ़न से जोड़ा सजाया।
कुछ और बाराती साथ चलते थे,
जल्लाद ने मन्त्र पढ़े थे।
खून से सजा कर दुल्हन लाया,
दुल्हन तो आई पर दुल्हा ना रहा।

संस्कृति
सातवीं

परिश्रम का महत्त्व

सफलता की पहली कुंजी श्रम है,इसके बिना सफलता का स्वाद कभी भी नहीं चखा जा सकता है। जिंदगी में आगे बढ़ना है, सुख-सुविधा से रहना है, एक मुकाम हासिल करना है, तो इन्सान को श्रम करना होता है। भगवानने श्रम करने का गुण मनुष्यों के साथ-साथ सभी जीव-जंतुओं को भी दिया है। पक्षी को भी सुबह उठकर अपने खाने-पीने का इंतजाम करने के लिए बाहर जाना पड़ता है, उसे बड़े होते ही उड़ना सिखाया जाता है, ताकि वह अपना पालन-पोषण खुद कर सके। दुनिया में हर जीव-जंतु को, अपने पेट भरने के लिए खुद मेहनत करती पड़ती है. इसी तरह मनुष्यों को भी बचपन से बड़े होते ही, श्रम करना सिखाया जाता है । चाहे वह पढाई के लिए हो, या पैसे कमाने के लिए या नाम कमाने के लिए। मेहनत के बिना तो रद्दी भी हाथ नहीं आती.

देश दुनिया के प्रसिद्ध लोगों ने अपनी मेहनत परिश्रम के बल से ही दुनिया को ये अद्भुत चीजें दी है. आज हमारे महान प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को ही देखिये, ये हफ्ते में सातों दिन 17-18 घंटे काम करते है, ये न कभी त्योहारों, न पर्सनल काम के लिए छुट्टी लेते है. देश का इतना बड़ा आदमी जिसे किसी को छुट्टी के लिए जबाब न देना पड़े, वह तक परिश्रम करने से पीछे नहीं हटता है. देश को आजादी दिलाने के लिए महात्मा गाँधी कड़ी मेहनत एक कीमत है, जो हम सफलता पाने के लिए भुगतान करते हैऔर जिस से जीवन में खुशियाँ ही खुशियाँ आती है ।

मेरी माँ

सँवारती है मुझे हर दिन
दुलारती है मुझे हर दिन
अगर रूठूँ तो मनाती है हर दिन
ढेरों प्यार बरसाती है हर दिन
ऐसे बैठी, ऐसे बोलो, गुस्सा न दिखाओ,
समझाती है हर दिन
नित नए जीने के तरीके
सिखाती है हर दिन
हर दिन नई-नई बात सिखाती है मुझे
पता नहीं कहाँ से इतना प्यार लाती है ।
पढ़ाई हूँ मैं उनकी, आत्मा हैं वो मेरी
बनना है एक दिन ऐसा ,
गर्व हो पाकर मुझे

अपराजिता झा
सातवीं स

बिपिन रावत प्रथम सी.डी.एस.

बिपिन लक्ष्मण सिंह रावत का जन्म 16 मार्च 1958 को उत्तर प्रदेश के गढ़वाल जिले के पौड़ी (वर्तमान में पौड़ी गढ़वाल जिला, उत्तराखण्ड) में हुआ। इनका परिवार कई पीढ़ियों से भारतीय सेना में सेवा दे रहा था। इनके पिता लक्ष्मण सिंह रावत पौड़ी गढ़वाल जिले के सैंजी गाँव से थे और लेफ्टिनेंट जनरल के पद से सेवानिवृत्त हुए। इनकी माता उत्तर काशी जिले से थीं और उत्तर काशी विधानसभा से विधायक रह चुकी थीं।

जनरल रावत की शुरूआती शिक्षा देहरादून के कैंबरीन हॉल स्कूल और शिमला के सेंट एडवर्ड स्कूल में हुई। इसके बाद इन्होने खडकवासला स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में दाखिला लिया ।इसके बाद रावत ने भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून से प्रथम श्रेणी में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और यहाँ उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए सोर्ड ऑफ़ ऑनर दिया गया रावत ने डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन से भी स्नातक की शिक्षा ली और फ़ोर्ट लेवेनवर्थ, कन्सा, स्थित यूनाइटेड स्टेट्स आर्मी कमांड एंड जनरल स्टाफ़ कॉलेज से 1997 में उपाधि ग्रहण की बाद में, रावत ने मद्रास विश्वविद्यालय से रक्षा अध्ययन विषय में एम.फ़िल. की उपाधि एवं प्रबन्धन एवं कंप्यूटर अध्ययन में डिप्लोमा भी प्राप्त किया । वर्ष 2011 में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय से इन्हें सैन्य मीडिया अध्ययन के क्षेत्र में शोध के लिए पीएचडी की मानद उपाधि दी गयी ।जनरल रावत ने ग्यारहवीं गोरखा राइफल की पांचवी बटालियन से 1978 में अपने करियर की शुरुआत की थी।

- जनवरी 1979 में सेना में मिजोरम में प्रथम नियुक्ति पाई।
- नेफा इलाके में तैनाती के दौरान उन्होंने बटालियन की अगुवाई की।
- कांगो में संयुक्त राष्ट्र की पीस कीपिंग फोर्स की भी अगुवाई की।
- 01 सितंबर 2016 को सेना के उप-प्रमुख का पद संभाला।
- 31 दिसंबर 2016 को सेना प्रमुख का पद।
- 01 जनवरी 2021 को रक्षा प्रमुख (भारत) का पद।

सम्मान

परम विशिष्ट सेवा पदक
उत्तम युद्ध सेवा पदक
अति विशिष्ट सेवा पदक
युद्ध सेवा पदक
सेना पदक
विशिष्ट सेवा पदक
ऐड-डि-कैम्प

विष्णु पी नायर
कक्षा – सातवीं

आत्मविश्वास

दिन में सूरज है अगर,
तो रात में भी चाँद-तारे है,
पर जीत तो वे लोग भी सकते है।
कभी धूप कभी बारिश,
ये तो कुदरत के नजारे है,
पर प्यासे तो वो लोग भी है,
जो समुद्र के किनारे है।
कुछ न कर सकें तो कहते है,
हम वो किस्मत के सहारे है,
पर जान न सके तुम खुद को,
कि कितने रुप तुम्हारे है
हिम्मत और हौसला हो अगर ,
तो रास्ते कई सारे है,
पर जीत तो वे लोग भी सकते है,
जो कभी हारे है।
जो लोग वक्त के साथ ढल नही सकते,
वे लोग अपनी किस्मत बदल नही सकते,
गिर जाते है राह पर पत्थरो की तरह,
कौन कहता है कि वे लोग चल नही सकते है।

अनुष्का मंडल
छठी ब

पिता..

हे पिता ! समर्पित है आपको
जीवन जो आप से पाया
जीवन की हर कठिन घडी में
साथ सदा आपको पाया
माँ है यदि ममता की मूरत
तो पिता है प्रेम की शीतल छाया
इस अनूठी छाया के संरक्षण में
खुद को मैंने सदा खिलते पाया
ज़िंदगी की हर मुश्किल डगर को
हाथ पकड़ पार करना सिखाया
शिक्षा दी जीवन-संघर्ष की
भले- बुरे का बोध कराया
मैं हूँ खुश-किस्मत अलबेली जो मैंने
इतना स्नेह पिता का पाया
झोली फैला कामना है यह ईशवर से
सिर पर रहे सदा यह साया

श्रीमती स्वाति भाटिया
स्नातकोत्तर शिक्षिका भौतिक विज्ञान

KV AFS THANE

बीते दो साल

क्या कुछ नहीं दिखाया ,
इस वायरस ने दो बीते साल में।
सभी का छीना कुछ न कुछ ,
कई छोड़ गए अपना सब कुछ।
बच्चे अनाथ हुए , माँ- बाप बेऔलाद हुए ,
किसी का सुहाग गया, कई बर्बाद हुए ,
क्या कुछ नही दिखाया ,
इस वायरस ने दो बीते साल में।

दाने दाने को तरसाया , अपनो को अपनो से लड़ाया ।
धंधा छुटा , नौकरी गई
बेरोजगार हुए , कई बेकार हुए ,
सब कुछ बिक गया दवा और अस्पताल के
चक्करों आम में,
क्या कुछ नही दिखाया ,
इस वायरस ने दो बीते साल में।
कुछ ने लिए छुट्टियों के मजे , तो कुछ
तडपे छुट्टियों के लिए ,
कुछ ने कोसा सरकार को , तो कुछ ने कोसा
अपने आप को , हर तरह का वक़्त दिखाया
इन दो साल में,
क्या कुछ नही दिखाया ,
इस वायरस ने दो बीते साल में।
अपनो की कदर , एक दूसरे की मदत ,
अपने लिए सोचना ,दूसरो के लिए कुछ
करना। दो वक़्त का खाना, और काफ़ी बार
भूखे सो जाना , क्या कुछ नही दिखाया ,
इस वायरस ने दो बीते साल में।
अपनी तंदुरस्ती और वैधकीय ज्ञान ,
ऑनलाइन पढ़ाई ना स्कूल जाने की तान।
कक्षा की मस्ती , भुलाई इन दो साल में,
क्या कुछ नही दिखाया ,
इस वायरस ने दो बीते साल में।
अब खुद को है बदलना ,कुछ न कुछ है सीखना ,
सेहत की तरफ देखना और अपनी
गलती से सीखना , जीवन को है बदलना
इस नए दौर के चाल में ,
क्या कुछ नही दिखाया ,
इस वायरस ने दो बीते साल में।

-- तमन्ना द्विवेदी
बारहवीं अ

AFS THANE

कोरोना के बाद का जीवन-:

कोरोना वायरस के दौर में हमने कुछ अच्छी बातें सीखी हैं, कुछ ऐसे सबक हमने लिए हैं जिनको हम भुला बैठे थे. ये सबक बहुत ही पॉजिटिव हैं जो हमारे और हमारे परिवार के लिए अहम स्थान रखते हैं. जानिए ऐसी महत्वपूर्ण बातें हैं, जो हमें कोरोना ने सिखाई व समझाई हैं–

कोविड-19 (COVID-19) की वजह से हुए लॉकडाउन (Lockdown) और लॉकडाउन के बाद उसके असर से लाइफस्टाइल (Lifestyle) बदलने की प्रक्रिया को भविष्य में शायद ही कोई भुला पाएगा। इस महामारी ने हमारे देश में ही नहीं बल्कि दुनिया भर के तमाम देशों के नागरिकों के जीवन में उथल-पुथल मचा रखी है । हम लोग अपने ही घरों में कैदियों की तरह बंद हो गए हैं । कोरोनावायरस (Coronavirus) की वजह से ज्यादातर नकारात्मक परिणाम देखने-सुनने को मिल रहे हैं ।सच्चाई भी यही है कि बहुत से लोग इसकी वजह से अपना रोजगार खो बैठे हैं तो कुछ लोग शारीरिक व मानसिक बीमारी का शिकार बन गए हैं ।

कोरोना में मिली सीख–

कोरोना के दौरान पिछले कई महीनों में कुछ अच्छी बातें हमने सीखी हैं ।

- जैसे स्वास्थ्य का महत्व

एक कहावत भी है कि स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन का वास होता है । इसका मतलब यह है कि अगर आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं होगा तो दुनिया की कोई ऐसी चीज नहीं है, जो आपको खुश रख सकेगी ।

- एक-दूसरे की तकलीफ को महसूस करना
- वर्क फ्रॉम होम के कल्चर को बढ़ावा
- सीमित संसाधनों में रहना

नैतिक अंबाडे
सातवी स

मानसिक स्वास्थ्य

मानसिक स्वास्थ्य में हमारा भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कल्याण शामिल होता है । यह हमारे सोचने, समझने, महसूस करने और कार्य करने की क्षमता को प्रभवित करता है ।

विश्व स्वास्थ संगठन द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार तक़रीबन 8.2% भारतीय किसी न किसी रूप में मानसिक विकार से ग्रस्त है ।साथ ही WHO के अनुमान के अनुसार वर्ष 2022 तक भारत की लगभग 35% आबादी मानसिक रोगो से पीडित होगी ।इतनी बड़ी संख्या होने के बाद भी इसे एक रोग के रूप में पहचान नहीं मिल पाई और मानसिक स्वास्थ्य को काल्पनिक माना जाता है, जबकि सच्चाई यह है कि जिस प्रकार शारीरिक रोग हानिकारक हो सकते है उसी प्रकार मानसिक रोग भी हमारे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है ।WHO के अनुसार 2022 तक अवसाद (Depression) दुनिया भर में दूसरी सबसे बड़ी समस्या होगी ।कई शोधो मे यह सिद्ध किया जा चुका है कि अवसाद ह्रदय संबंधी रोगों का मुख्य कारण है ।आंकड़े बताते है कि भारत मे 15-20 वर्ष की आयु वर्ग सबसे ज्यादा पीड़ित है ।

बिगड़ी मानसिक स्वास्थ्य के उपचार सरल है –

योग, मित्र से बात करना , आराम करना, अपना मनपसंद कार्य करना ।

इन सभी उपायों को अपनाकर मानसिक स्वास्थ्य मे सुधार आ सकता है ।

देश मे मानसिक स्वास्थ्य की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है । ऐसे मैं आवश्यक है कि इससे निपटने के लिए उपयुक्त क्षमताओ का विकास किया जाये और संसाधनों मे वृद्धि की जाए ।

अराध्य मिश्र
बारहवीं अ

पर्यावरण

पर्यावरण से हैं जीवन ,
इसे अपना दोस्त बनाते हैं ।
चलो मिलकर पेड़ लगाते हैं ।

देती हैं सांसे जीवन को,
आओ जाने पेड़ की माया ।
करती हैं ये शुध्द हवा को,
देती हैं फल-फूल और छाया ।

आओ अपने दिलों में हम,
प्रकृति प्रेम जगाते हैं,
चलो मिलकर पेड़ लगाते हैं ।

सागर, बादल, गगन प्रदूषित,
नदी, धरा और पवन प्रदूषित ।
बढ़ गया प्रदूषण इतना,
सांस लेना हुआ हैं मुश्किल।

रूठ गई प्रकृति हमसे,
मिलकर चलो मनाते हैं,
करें श्रृंगार प्रकृति का ऐसे
चलो मिलकर पेड़ लगाते हैं ।

'' मानव प्रकृति की सर्वश्रेष्ठ रचना है ।''

आज की युवा

किसी भी पहलू पर रोशनी डालने से पहले मैं इस लेख की शुरुआत करती हूँ ।आप सबसे यह प्रश्न पूछ कर कि आखिर एक व्यक्ति के जीवन में किसकी सबसे अहम भूमिका रहती है या फिर कैसा व्यक्ति जीवन में सक्षम और सामर्थ्यवान बनता है।वह जिसने संघर्ष आलोचना असफलता और जिम्मेदारियों को करीब से देखा हो या फिर वह जो कभी अपना आराम क्षेत्र छोड़कर जिंदगी की वास्तविकता से रूबरू ही ना हुआ हो।जवाब सीधा सा है और पढ़ने में काफी अच्छा भी लगता है पर मुश्किल यहां पर आ जाती है कि आज की युवा इस पर अमल ही नहीं करना चाहती ।आज की युवा कि ऐसी स्थिति के बारे में मैं अपने विचार आगे रखती हूँ।

आज की युवा टेकस्माट, क्रिएटिव माइंड्स, नई सोच और ऐसे कई उप नामों से पुकारी जाती है।पर यह नजरिए का दोषी बन जाता है कि आखिर कितने युवा उपनाम को चरितार्थ कर पाते हैं और क्या वाकई यह नई सोच है या फिर अपनी जड़ों से कमजोर होने के लक्षण किसी भी देश की युवा उसकी सबसे बड़ी शक्ति हो सकती है क्योंकि उसे ही आगे चलकर देश संभालना है और उसके अर्थव्यवस्था को चलाना है किंतु आज के युवाओं की दशा बिल्कुल भिन्न है। अगर मैं सही शब्द इस्तेमाल करो तो फिल्मी जगत और इंटरनेट की चकाचौंध से प्रभावित आज की युवा पथ भ्रष्ट हो चुकी है। सही लक्ष्य सही मार्ग और सही उद्देश्य आज के नौजवानों में देखा ही नहीं जा सकता। अगर मैं एक वक्त के लिए रोजगार कौशल गहन विचार जैसे अहम मुद्दे छोड़कर केवल अपने अवलोकन के अनुसार बात करूं तो भी आज के यह टीनएजर्स वहीं खड़े नजर आते हैं जहां इनके लिए अपशब्द बोलना झूठ काम चोरी बदतमीजी बहुत ही आम बात है।ये अपनी ही शेयर लाइक पोस्ट और ट्रेंडिंग कि नकली जिंदगी में जी रहे हैं।नकली इसलिए क्योंकि जितनी आसान और खूबसूरत यह जिंदगी घर बैठे मोबाइल पर देखने से लगती है असलियत में यह उतनी है नहीं।

यही मैं बात करूं कि आज के नौजवान कितने जागरूक है देश विदेश में हो रही गतिविधियों, अपने देश की राजनीति उसकी संस्कृति और विरासत को लेकर के तो, भी जवाब कुछ खास नहीं है।

जो अपनी विरासत को नहीं जानते वह कैसे अपनी धरोहर को आगे बढ़ाएंगे यह बहुत बड़ा प्रश्न है। अगर सही मायनों में कहूं तो आज की इस युवा को सब कुछ थाली में परोस कर दे दिया गया है जहां उन्हें कुछ सोचने की यह हाथ पैर हिलाने की जरूरत ही नहीं पड़ती ।आराम की यह बैसाखी पकड़ आने में अभिभावकों का ही हाथ रहा है जो इस भ्रम में जीते हैं कि अपने बच्चों को अधिक से अधिक सुविधा प्रदान करके ही वह उनके भविष्य को सुरक्षित और सफल बना सकते हैं।पर आप यह भूल जाते हैं की जिंदगी की ठोकर और अनुभव जो सिखाते हैं और कोई नहीं सिखा सकता और यह जिंदगी केवल किताबी शिक्षा से नहीजी जा सकती।

जिंदगी की कठिनाइयां संघर्ष असल में जिंदगी का स्वाद है। जिंदगी के हर स्वाद को चखना जरूरी है अगर आपने इस स्वाद को नहीं चखा तो आपनेअसल में जिंदगी ही नहीं जी।

निशा कुमारी
दसवीं ब

संस्कृत विभाग

संस्कृत भाषा का महत्व

सम्यक् परिष्कृतं शुद्धमर्थाद् दोषरहितं व्याकरणेन संस्कारितं वा यत्तदेव संस्कृतम् । एवञ्च सम् उपसर्गपूर्वकात् कृधातोर्निष्पन्नोऽयं शब्द संस्कृतभाषेति नाम्ना सम्बोध्यते । सैव देवभाषा गीर्वाणवाणी, देववाणी, अमरवाणी, गीर्वागित्यादिभिर्नामभिः कथ्यते। इयमेव भाषा सर्वासां भारतीयभाषाणां जननी, भारतीयसंस्कृतेः प्राणस्वरूपा, भारतीयधर्मदर्शनादिकानां प्राणस्वरूपा, भारतीयधर्मदर्शनादिकानां प्रसारिका, सर्वास्वपि विश्वभाषासु प्राचीनतमा सर्वमान्या च मन्यते । अस्माकं समस्तमपि प्राचीनं साहित्यं संस्कृतभाषायामेव रचितमस्ति, समस्तमपि वैदिक साहित्यं रामायणं महाभारतं पुराणानि दर्शनग्रन्थाः स्मृतिग्रन्थाः काव्यानि नाटकानि गद्य-नीति- आख्यानग्रन्थाश्च अस्यामेव भाषायां लिखिताः प्राप्यन्ते। गणितं, ज्योतिषं, काव्यशास्त्रमायुर्वेदः, अर्थशास्त्रं राजनीतिशास्त्रं छन्दःशास्त्रं ज्ञान-विज्ञानं तत्वजातमस्यामेव संस्कृतभाषायां समुपलभ्यते। अनेन संस्कृतभाषायाः विपुलं गौरवं स्वमेव सिध्यति।

कैरवी गडा
सप्तम स

पर्यावरण

पर्यावरणम् अस्माकं जीवनं अस्मि| पर्यावरणम् अस्माकं जीवनं स्वच्छ सुंदर एवम् समृद्ध करोति| जलं वायुः च जीवनेमहत्वपूर्णं स्तः| साम्प्रतं शुद्ध पेय जलाय समस्या वर्तते| पर्यावणस्य रक्षायाः अठी आवश्यकता वर्तते|प्रदुषणस्य अनेकानि कारणानि, औद्योगिकापशिष्ट पदार्थ, उच्च ध्वनियान - घुम्रादयः प्रमुख कारणानि सन्ति|पर्यावरण रक्षायै वृक्षा:रोपणीया :| वृद्धरोगाणां :बहव : उपचारम् कुर्वन्ति| वयं नदीषु तडागेषु च इषितं जलं नपितेम् तैल रहितः वाहनाना् प्रयोगकरणीयः :| पर्यावणस्य रक्षेणन जीवनं रक्षेणम् भवति| पर्यावणस्य रक्षाअस्माकं परं कर्तव्यं अस्ति|

अन्वेषा
सप्तम ब

मम समाजः

समाजः परिवर्तनशीलःअस्ति।यथाखानपानेषु, वस्त्रपरिधानेष, भूषणेषपरिवर्तनंजात, तथावर्तमानेशिक्षानीत्यामपिपरिवर्तनजातम्।प्राचीनसमये 'गुरुकुलव्यवस्था' आसीत् | बालकाः स्वगृहपरित्यज्य गुरुकलेशु आश्रमेषुव सन्ति स्म |गुरुकुलानशिक्षाप्राप्य, गुरवेगुरुदक्षीणादत्वां,
तदनन्तरस्वगृहप्रत्यागच्छन्तिस्म।पूरागीतादिग्रन्थानांपठनम्आवश्यकम्आसीत्।वर्तमानसमयेशिक्षा नीत्यांमहत्परिवर्तनमभवत् | अघनाकोऽपिबालकःगुरुकुलंनगच्छन्ति | गुरु-शिष्यपरंपराविलुप्ताइव | अधुनाअभिभावकाः बालकआयुषःतृतीयवर्षेएवपाठशालाप्रेषयन्ति | पठनस्यमाध्याममापिद्विविधम्अस्ति।केचनछात्राआंग्लभाषायाम्पठन्ति, केचनचहिंदीभाषायाम् | आंग्लभाषायाःअध्ययनंप्राथमिकशालासुअपिअनिवार्यभवत | राजकीयशालासु, शासकीयशालासपठनमूल्यंनाममात्रमस्ति, किन्तुसार्वजनिकासुनिजशिक्षणसंस्थासुपठनशुल्कमअधिकमअस्ति।धनिकानांबालकाःएवतत्रपठितुंशक्नुवन्ति।

वेद कैलाश कोली
सप्तम ब

व्यायामः

भ्रमण-धावन-क्रीडनादिभिः शरीरम् श्रान्तकरणम् व्यायामः कथ्यते । व्यायामः नित्यं करणीयः भवति । अस्य नित्यानुष्ठानेन गात्राणि पुष्ठानि भवन्ति । शरीरे द्रुतं रक्तसञ्चारः भवति । प्रस्वेदैः शरीरात् आमयं विषं च निर्गच्छति । अनेन पावनकर्म अपि सम्यक् भवति । व्यवहितः व्यायामः यथैव अस्वास्थ्यप्रदः भवति तथैव अव्यवहित व्यायामः स्वास्थ्यकरः भवति । स्वस्थे शरीरे एव स्वस्थं मस्तिकं भवति । स्वस्थः जनः सुयोग्यः नागरिकः भवति । देशसेवां स्वस्थे एव नागरिकाः कुर्वन्ति । न चास्ति सदृशं तेन किंचित्स्थौल्यापकर्षणम् । आरोग्यं चापि परमं व्यायामादुपजायते । शरीर- माद्यं खलु धर्मसाधनम्।

अभिजीत
दशम अ

जलम् (water)

जलम् एव जीवनम् इति उक्त्यनुसारम् अस्माकं जीवने जलस्य आवश्यकता वर्तते। जीवनाय जलम् आवश्यकं वर्तते। तृष्णायां सत्यां जलेन एव निवारणं भवति। पृथित्याः जीवानां कृते आवश्यकं तत्वम् आस्ति जलम्। आस्माकं सौभाग्यम् आस्ति यत् पृथिवी जालियः गृहः वर्तते।
जलं सौरमण्डले दुर्लभं वर्तते। अन्यत्र कुत्रापि जल नास्ति। पृथित्यां जलं पयाप्तम् आस्ति। अतः पृथिवी नीलग्रहः इति उच्यते। जलं निरन्तरं स्वरुपं परिवर्तते। सूर्यस्य तापेन वाष्पस्वरूपं, शीतले सति सङ्घनीकरणे मेघस्वरूपं, वाषामाध्यमेन जलस्वरूपं धरति। जलं महासागारेषु वायुमणडले, पृथिव्यां च परिभ्रमति। जलस्य तत्परिभ्रमणं जलचकं कथ्यते। आस्माकं पृथिवी स्थलशाला इव आस्ति। अलवणस्य जलस्य मुख्यं स्त्रोतः नदी, तडागः, हिमन्दी च वर्तते। महासागराणां समुद्राणां च जल लावण्यं वर्तते। तस्मिन् जले सोडियम् क्लोराइड्, पाचकलनवणं च प्राप्तये।

मानसी पुरनेकर
नवम ब

प्रकृति

प्रकृतिः मातासर्वेषाम्
बहूनाम्अपिफलानाम्
बहूनाम्अस्तिवृक्षाणाम्
पुष्पाणाम्चापिमानेयम्।
भ्रमराणां, पशूनां,
पक्षिणांचमानास्ति
जनेभ्यः जीवनंसदा
ददातिप्रकृतिः माता।।
अस्तिसातुमनोहरी
मातृणाम्अपिमातास्ति
प्रकृतिः मातासर्वेषाम
नमोऽस्तुतेमात्रेप्रकृत्यै।।

दिव्या रणजित भामरे
नवम ब

****

ENGLISH SECTION

KV AFS HI

FOODWASTE: ACRIMEAGAINSTHUMANITY:

According to Indian philosophy food is equal to God. But are we giving the same amount of respect to food these days? Frankly, most of us do not. We fail to remember that millions of poor people are dying in hunger when millions of tons of food is being thrown away and wasted for no good reason. People start blaming Government for carelessness and corruption. Why don't we reflect on our own lifestyle and understand how our own choices are causing, or enabling the problem to happen? Food wastage is essentially food that is discarded or lost because it is not eaten. This can happen at any point of time during farming or production, processing or selling the foods and consuming the food. It is famously said that "wasting food is stealing food from the poor". On an average 1/3 of the total food produced for human consumption is wasted accounting to 1.3 billion tons per year.

. CAUSES OF FOOD WASTE-

One of the top contributors to food wastage is because of a lack of appropriate planning on the consumer part. Sometimes people buy lots of food without appropriately making plans on when and how the food will be prepared for consumption. Coupled with the contemporary schedules of work and appointments, people, therefore, tend to change food preparation plans or fail to remember using it on time.

Another major reason for food wastage is Over-preparation of foods in hotels and restaurants. AsMost

of therestaurants, hotels, and the foodservice industry alike have a tendency of over-preparing/producing food. While the intention is good especially in anticipation of high customer volume and the ability to not running out of the menu, over-preparation often leads to wastage if all the food is unsold. Besides, some managers believe producing food in large batches minimizes costs, but in actual fact, it results in more waste as compared to cook-to-order preparation or cooking insmall batches.

. SOLUTIONS OF FOOD WASTAGE-

Foremost, precedence should be centered on balancing food production with the demand to reduce the problem of food wastage. The first thing is to cut back on the use of naturalresources in food production. In hotels, restaurants, and the foodservice industry, risk management tools can be applied.

Another strategy to control food wastage isuse of meal plans in preparing food that can go a long way in ending food wastage. Consumers should only buy food according to their plans or in small batches to reduce the food that goes to waste due to expiration after long storage periods.

Another best solution to end food wastage is Food recycling . It's efforts are already underway but the technologies and methods used should be bettered. Starch-rich foodstuffs such as crisps, bread, biscuits, and breakfast cereals can, for instance, be recycled into high quality feeds for livestock.

CONCLUSION-

I would like to conclude that a crime is ravaging the world , and we all are guilty. We have no one to blame but ourselves for the fact that around 821 million people worldwide suffer from malnourishment and every five seconds an innocent child dies from hunger . This is an alarming situation for all of us and we need to take steps and make provisions for this.Gandhiji once told that if God were to appear to the millions of hungry people, it would be in the form of food. So, please don't waste food.So let us start a silent revolution from our homes to stop wastage of food.

PRIYANKA TANWAR
XIC

What Goes Around Comes Around

Richard was a kind man. A man with little haters. He was poor by money, but rich by heart. He would never say no to anyone.

That day Richard was extremely full with joy. And why he wouldn't be? Afterall his resume was been selected in Alex Enterprises, a place where he always wanted to work. Richard was highly confident that he is going to make it. But little did he know that something has going to happen which would change his life.

On the day of the interview, when he was on his way to the company's office he saw an old man lying on the road in a half dead situation. He was desperately asking for help but nobody would show. Richard was so sad seeing the old man with severe wounds and injuries. On one side he has to go to the interview for which he had wait for a long while he also can't leave the poor elderly man in this situation. It was a tough decision for Richard to make. It took so long for him to take the call. Finally he decided to take the old man to the hospital. For him the life of that man was way valuer than any job. Job can be brought back but life can't. He quickly calls for an ambulance and takes him to the nearest hospital. After a couple of hours of treatment the doctor came out with a smile on his face saying, "Congratulations, he is totally out of danger now." Richard was extremely delightful after hearing those words. "Thank you so much doctor, I was eager to hear that. By the way what had happened to him?" The doctor said, " Well I could say, it was a heart attack. Thank God you brought him here at time. Had it been a little late, the matter would be serious." " Oh really?"

A few minutes later, Richard visited the man. The man now seemed to be in a good condition. He was so thankful to Richard that he hugged him as soon as he saw him. But was also happy to see him. But at the same time he was a little sadness which could be seen on his face. " Is there something wrong young man?", the old man asked." Feel free to share it with me". Richard told him that how he missed his interview and so his dream job. " Oh my gosh, I am really sorry for your loss." Richard said, " No, its not at all your fault sir." The man asked politely, "Is there anything I can do for you?" Richard was about to say no but the man suddenly interrupts, " Ah, can you tell in which company was your interview?" "Well it was in Alex Enterprises." The man was really surprised after hearing that. He smiled and said, "Oh then there is no need to worry about. Do one thing, just go there tomorrow and you will get your appointment letter". Richard asked him if he was kidding. But the man said," You see, my name is Alex and I am the owner of Alex Enterprises. We really need a person like you in our company. So I am hiring you as the Sales executive of my company." Richard was totally shocked after listening to this. " Really, I can't believe this. Thank you so much. This means a lot to me." The man said that this was nothing against the help that he had done for him. Richard finally got his dream job, not in direct but in an indirect way. That day Richard learned a thing:

What goes around comes around

- Sammyak Bachchhav
XI A

HEALTHY HABITS PLEDGE

I pledge to stay healthy and clean
Through exercise and good hygiene
I will eat balanced meals every day
To hve more energy to learn and to play.
Every night I will get a good rest
To be more ready to do my best.
If I work hard to be healthy and strong
I'll be happier my whole life long.

Harshwardhan Patil
IV B

PUZZLES

I am brown and sweet.
I can be bad for your teeth.
You have to brush your teeth after you eat me.
Who am I ?

Answer:ATALACOHC

What am I?
I have lots of legs.
I like to eat leaves.
One day I will turn into a butterfly.

Answer: RELLIPRETAC

Akshit Kumar
4 B

FIVE INTRESTING SCIENTIFIC FACTS ABOUT SPACE

1. **Space is absolutely silent as there's no atmosphere for sound to travel through!**
2. **No life form can survive if they were to enter a black hole, like the one at the center of our galaxy, the Milky Way. Even light can't survive in a black hole.**
3. **The reason the ocean has waves and has tides that switch from high to low is that the gravitational pull from the moon and the sun keep changing.**
4. **There are more stars in the universe than there are grains of sand on Earth**
5. **It is believed that there are between 200-400 billion stars just in the Milky Way galaxy, of which our solar system is a very, very tiny part. In the observable universe, there are about 100 billion galaxies like the Milky Way. There could be around 100 billion Earth-like planets in our galaxy alone .**

Nandini namdev
XA

My School

I study in Kendriya Vidyalaya School
Where all my teachers are pretty and cool .
MY principal is very kind ,With a progressive mind .
I come here to study ,And develop my personality
Everything is possible , With my teachers ability .
Here I enjoy, study and play
And always feel fresh that day
May my school progress , Every day, I pray.

Jisha Kamboj
X - A

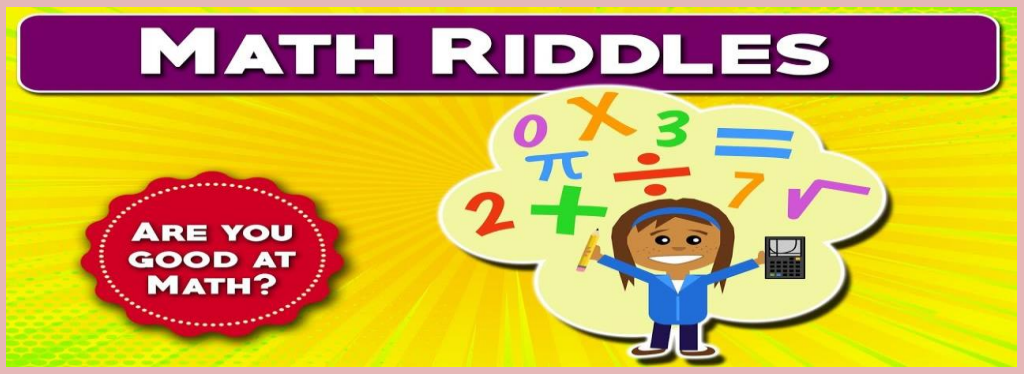

Can you solve this?

1. If you multiply this number by any other number, the answer will always be the same. What number is this?

2. I add five to nine, and get two. The answer is correct, but how?

3. How do you make the number 7 an even number without addition, subtraction, multiplication or division?

4. I am a three-digit number. My second digit is 4 times bigger than the third digit. My first digit is 3 less than my second digit. Who am I?

5. How many sides does a circle have?

Answer

1 – 0 2 - When it is 9 AM, add 5 hours to it and you will get 2PM. 3- Drop "S" in the Spelling Seven. 4- 141,582 5- Two. Inside and Outside.

Jisha Kamboj
X – A

Riddles

1. **If there are 4 apples and you take away 3, how many do you have?**
2. **If you multiply this number by any other number, the answer will always be the same. What number is this?**
3. **I add five to nine and get two. The answer is correct, but how?**
4. **If X is an odd number, when a letter is taken away from X and it becomes even. Which is that number?**
5. **How can you take 2 from 5 and leave 4?**

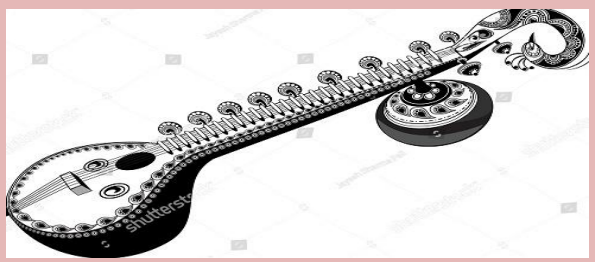

Answer:

(1)3 (2)0 (3) When it is 9 p.m, add 5 hours to it and you will get 2 p.m.

(4) Seven (Seven-S=Even) (5) Remove the 2 letters F and E from the word FIVE and you have IV

LIFE

Life is a graceful journey,
Full of joy and pleasure.
It is very precious,
Even than gold treasure

Life is full of opportunities,
With sometimes less or more.
It is like a true friend,
Which never makes us bore.

Life is like a road,
Which ends somewhere or the other.
But where it is going to end,
We must never bother.

Life is like a difficult limb,
Sometimes steep or high
But we must always go on,
Without saying it bye.

Life gives us sorrow,
Also gives us pain
But live your way moment,
Without any complaint

Jigisha Nikumbh
X A

KV AFS THANE

COOL FACTS ABOUT MATHS

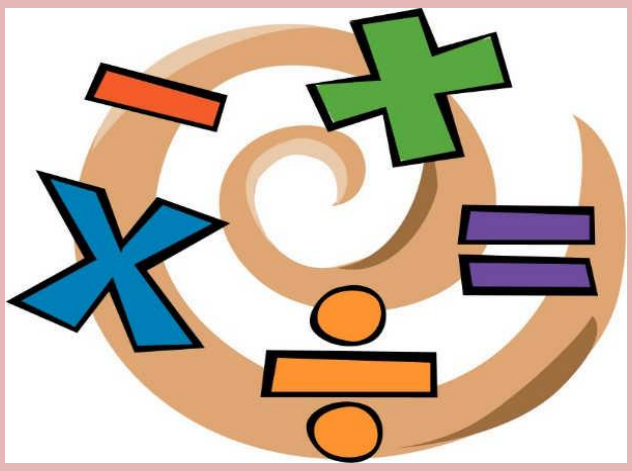

1. The word “hundred” comes from the old Norse term, “hundrath”, which actually means 120 and not 100
2. In a room of 23 people there’s a 50% chance that two people have the same birthday
3. Most mathematical symbols weren’t invented until the 16th century. Before that, equations were written in words.
4. From 0 to 1000, the only number that has the letter “a” in it is “one thousand”
5. Every odd number has an “e” in it.
6. There are 13 letters in both “eleven plus two” and “twelve plus one”.
7. Markings on animal bones indicate that humans have been doing Maths since around 30,000BC.
8. 2 and 5 are the only prime numbers that end in 2 or 5.
9. ‘Four’ is the only number in the English language that is spelt with the same number of letters as the number itself.
10. “Forty” is the only number that is spelt with letters arranged in alphabetical order.

NANDINI NAMDEO
XA

KV AFS THANE

I WONDER WHAT IF I……

WONDER WHAT IF, THE WARS WERE NEVER FOUGHT, COUNTRIES NEVER CAPTURED AND CONQUERED. WHAT IF NOT AN OUNCE OF BLOOD WAS SPILLED, THEN WOULD THE WORLD TODAY BE DIFFERENT? THEN WOULD THOSE MEN, WOMEN CHILDREN HAVE BEEN SAVED? I WONDER WHAT IF LOVE NEVER SWAPPED INTO HATRED, WHAT IF ENEMIES WERE NEVER CREATED. WHAT IF WE LIVE IN A LAND WHERE EVERY SOUL IS THE SAME YET DIFFERENT, WHERE GOAL IN LIFE IS AIMED NOT TO GAIN MATERIALISTIC THINGS, BUT TRANQUILITY AND EQUANIMITY? WHERE EVERY MAN HAD THE RIGHT TO LIVE A LIFE OF HIS OWN. NO WONDER THIS LAND OF OURS, WOULD HAVE BEEN A BETTER PLACE TO LIVE. A WORLD MORE PEACEFUL THAN IT COULD HAVE EVER BEEN. A WORLD WHERE EVERY MAN WOULD ONLY KNOW HOW TO LOVE. AND NO WONDER OUR PLACE WOULD BE A PERFECT DEFINITION OF WHAT HEAVEN IS, BUT ONLY IF WE WONDER!!!

GAURI VANITA PACHPOL

XII B

SAVE GIRL CHILD

Everyone wait for the little one
Wishing it to be son,
But why do they go so wild
At the birth of a girl child?
Nothing can match
Her lovely face,
Filled with innocence and grace
After all she is human like us
Why do we create such a fuss?
She is killed the moment she is born;
Nothing a mother can do but mourn,
It left to live, she lives a life of pain,
No more grief should be just and fair,
As she has so much to give,
No! I do not kill a girl child I say,
Every person should help her in his own way.

SCIENCE AND YOGA

Is yoga scientific? This is a question often comes to my mind and also prevails in others mind as well whenever we discuss on this topic . The problem that lies with this question is essentially with the understanding of what yoga is, what science is and the overarching sense of insecurity that is faced by many people relating to the Indian identity. Let us first explain what science is. Science is a method of thinking where nothing is classified as fact, unless it is measurable and reproducible. Based on a set of facts, a hypothesis is formed which is checked on the basis of it being reliable and reproducible. If that is real it is considered to be a true event. Science is based on doubt, and it is based on evidence. Most importantly, the notion of scientific truth is not fixed, it changes as data changes and methodologies change. By contrast, religious ideas are fixed: they do not change over time. They are based on faith. Therefore, science and religion are in conflict with each other.

Now, where does yoga fit into this? In certain Hindu communities, in the last 100 years, yoga becomes a metaphor for Hinduism. Hinduism is equated with Vedanta philosophy and yoga practice. This is a very simplistic assumption; but it has taken political overtones. Especially since, across the world, yoga has become popular. In many western societies, yoga is being shunned on grounds that it has a religious root, a root that many Hindus do not wish to let go of, for fear of cultural disassociation. Yoga is, fundamentally, a set of practices designed to unknot the knotted mind. A mode of release that allows the human mind to accept the complex nature of reality. So, it is a technique used to make us appreciate the world around us in a more refined way. It really does not have any religious connotation, until we reach the Bhagavad Gita, where Krishna says yoga is a way to reach him. Yoga is classified as yoga of action (karma), yoga of emotion (bhakti) and yoga of knoweldge (gyan). Here, yoga becomes mystical: a method by which the individual soul (jivaatma) can merge with the cosmic soul (param-atma). Such readings makes yoga religious. That being said, the process of learning yoga is not based on measurement, but experience. You experience it, you keep doing what your teacher tells you to do and you experience your body waking up, your posture improving, your breath improving, your understanding and the processing power of your mind improving. This varies from person to person. Most of the experience is subjective and, therefore, not measurable. The measurable outcome is a fraction of the transformation which is psychological, a state which again cannot be measured. Therefore, while science can prove that yoga has benefits, you cannot ask if yoga is scientific. It is a fallible question. In yoga, one is expected to trust the teacher. Trust goes against scientific principles. There is no book or scripture outside the teacher in yoga, even though in the West many yoga texts are being translated in the quest to create 'objective measurable truth' outside the teacher'. Most importantly, science is not just about measurement and doubt; it is also about control. Yoga, at its essence, is about letting go—the very opposite of control— hence in spirit does not follow the scientific model of thinking.

Aaryan Mishra
XII B

ROLE OF SOLDIER
IN
DEFENCE OF INDIA

Every Indian contributes as far as the defence of India is concerned. But the role which a soldier plays in defending & protecting the borders of India is really unparalleled. A soldier is the most disciplined lot of the Nation. On him depends, to a great extent, the security and the stability of the nation.

A soldier's life is very difficult. It is he who obeys the orders of his commanders and does what is ordered by them. A soldier's is a man, who keeps night- long vigils on the borders even in the face of great and grave dangers, for he stands heroically before the force of the enemies.

A soldier's faces death bravely. He fights to the last, in order to save his motherland. He sacrifices everything for the sake of the nation. It is he who has to live miles away from his family. It is he who gets into jaws of the death while defending his country.

His life is not a bed of roses at all, rather it is a bed of thorns with his meager income, he feeds himself. For him the defence of the country is the highest of his duties and responsibilities.

In war, he fights bravely but at the same time he helps the civilian population. The role which Indian soldier plays during each international war is exemplary. A soldier is also facing death. He never shriks responsibility. He fights in most difficult terrains, on hills and mountains, in plains and forest. The defence of the country is the primary mission. The role of soldier in safeguarding the forentiers of his motherland is unique. He lives and dies for the nation.

JAI HIND JAI BHARAT

PRAKASH KUMAR RAI
XII A

A Thought In My Mind

Today's morning was different from the rest. Unlike many other days, today I felt the warmth of the sun and saw deep confidence within me. Even after falling two times, I had the tenacity to stand again and face the tallest mountains of Antarctica, Mount Vinson. For me, it's not just a mountain, it's my father's dream, who died executing it and now I must complete it. Every step, every slope of the mountain was disheartening my confidence, but my father's words were recurring in my mind that "never lose hope child, things can change". Even after seeing my companions sacrificing their lives, I stood still and endeavoured to reach the crest. I was here not only for my father, but for all those girls, for all those women who are underrated, who are made to feel that they are erroneous, they are frail, weak and need to stay quiet and listen to others. I guided every step of mine to stand for the weak who cannot stand for themselves. I wanted to reach the crest for them, for my father, for my dreams. When I reached the pinnacle of Mount Vinson, I was ecstatic and thrilled. The world looked so different from the peak of the mountain. I felt euphoric and saw the whole world beneath me. I felt s if I have nudged the sky and received all happiness of my life right at this moment. My eyes got filled with tears and I thanked my father for having a dream like this.

SANYUKTA V
XI C

Jokes

1.Teacher: Why are you late today?
Student: Because of a sign down the road.
Teacher: What does a sign have to do with you being late?
Student: The sign said, "School Ahead, Go Slow"

2.Pappu in the computer exam: -

3.Doctor: You should take at least 10 glasses of water every day.
Patient: It is impossible.
Doctor: Why?
Patient: I have only 4 glasses at home!!

4.Teacher: Correct the sentence, "A bull and cow is grazing in the field"
Student: A cow and bull is grazing in the field
Teacher: How??
Student: Because ladies first… LOL

5.An old man had 8 hairs at his head.He went to barber shop,
Barber angered and asked: Shall I cut or count??
Old man smiled and said: "Color it!".

RAJ RISHI
IX 'B'

They think I can levitate

I don't know why, they think I can levitate
I usually go out at night,
but people see me with awe
more than fright,
and I don't know why.
They think I can levitate,
And think I can solve
Every problem. Snap out of it.
You can even, if you only resolve.
They think I can levitate,
I am no super human. The PPT that
You expect me to prepare, the time
you feverishly gamed on the mobile
I feel no hunger, I feel no thirst,
Since the time I got burnt.

MAHADEV
XII B

MY COUNTRY : INDIA

India is bright,

And have a great history behind.

People died to save this country,

There are many things see in this country.

I wish India again as my native country,

And will be helpful to the lovely country.

SANSKRITI
VII B

KV AFS THANE

MY DOUBT

I was thinking and thinking and was like “ouch”
What struck me was nothing but a doubt.
I looked for the source behind this idea, the source behind this thought,
My father is the one whom I always got.
Sharing it with friends, teachers and everybody,
There is something unpleasant in the pattern of study
Why do we have to study so many subjects which we don’t even like?
Instead of this, we ask questions like, “OMG!! Is that a t-shirt of Nike?”
The option to choose, should not be given too late that’s the reason for many to say,”
MATHS!! Ugh!!!! It’s the subject I hate”.
Studying the subject of our choice is something as fair as milk
For me it’s like eating dozens of dairy milk silk
The lover of science has hibernated during the history class,
While many others were staring outside the window glass
An admirer of Hindi, during the science class is hiding
Because some bothering questions, the teacher is asking.
This is the reality, what really happens,
In many subjects that are not liked, student’s mind blackens,
So can’t we do anything to improve?
Can’t we plant a better system and older we remove?
So let’s end this problem together and get it out,
And give ourselves the solution to our own doubt.

~Anjali Tiwari

XII A

Entrepreneur a necessity for a developing nation

What is an entrepreneur?

Entrepreneurship is the ability and readiness to develop, organize and run a business enterprise, along with any of its uncertainties in order to make a profit. The most prominent example of entrepreneurship is the starting of new businesses.

Role of an entrepreneur in a developing nation

The nature of a developing economy is quite different from a developed economy. The developing economy can be an agricultural country moving towards the industrialization or it may be the one where in the industry may be in its infancy lacking advance technology.

A developing country needs entrepreneurs who are competent to perceive new opportunities and are willing to incur the necessary risk in exploiting them. A developing economy is required to be brought out of the vicious circle of low income and poverty. Entrepreneur can break this vicious circle. Entrepreneurs and helping government can change a developing economy in developed economy.

1. Employment Generation

Entrepreneurs not only give employment to the entrepreneur but also a source of direct and indirect employment for many people in a country. Unemployment is a chronic problem in most of the developing and underdeveloped countries. Entrepreneurs play an effective role in reducing the problem of unemployment in the country which in turn clears the path towards economic development of the nation

2. Promotes Capital Formation

Entrepreneurs mobilize the idle funds which lead to capital formation. The funds which are used by entrepreneurs is a mix of their own and borrowed. This leads to creation of wealth which is very essential for development of an economy

3. Balanced Economic Development

Small business promotion needs relatively low investment and therefore can be easily undertaken in rural and semi-urban areas. This in turn creates additional employment in these

areas and prevents migration of people from rural to urban areas. Since majority of the people are living in the rural areas, therefore, more of our development efforts should be directed towards this sector. Small enterprises use local resources and are best suited to rural and underdeveloped sector

4. Innovation In Enterprises

Business enterprises need to be innovative for survival and better performance. It is believed that smaller firms have a relatively higher necessity and capability to innovate. The smaller firms do not face the constraints imposed by large investment in existing technology. Thus they are both free and compelled to innovate.

5. Self-Reliance

Entrepreneurs are the corner stores of national self-reliance. They help to manufacture indigenous substitutes to imported products which reduce the dependence on foreign countries. There is also a possibility of exporting goods and services to earn foreign exchange for the country. Hence, the import substitution and export promotion ensure economic independence and the country becomes self-reliance.

An Example To Feel Proud

Sir Ratan Naval Tata (born 28 December 1937) is an Indian industrialist, philanthropist, and a former chairman of Tata Sons. He was also chairman of Tata Group, from 1990 to 2012, and again, as interim chairman, from October 2016 through February 2017, and continues to head its charitable trusts.He is the recipient of two of the highest civilian awards of India, the Padma Vibhushan (2008) and Padma Bhushan (2000).

Born in 1937, he is a scion of the Tata family, and son of Naval Tata who was adopted by Sir Ratan Tata son of Jamsetji Tata, the founder of Tata Group. He is an alumnus of the Cornell University College of Architecture and Harvard Business School through the Advanced Management Program that he completed in 1975. He joined his company in 1961 when he used to work on the shop floor of Tata Steel, and was the apparent successor to J. R. D. Tata upon the latter's retirement in 1991. He got Tata Tea to acquire Tetley, Tata Motors to acquire Jaguar Land Rover, and Tata Steel to acquire Corus, in an attempt to turn Tata from a largely India-centrist group into a global business.

8 Reasons why you should become an entrepreneur

1. You have full control over your destiny.
2. Entrepreneurs are innovators
3. You have the opportunity to change lives.
4. You serve as a role model
5. There is no age barrier
6. Your mind will always be utilized.
7. The satisfaction of saying you're a business owner.
8. You contribute to society.

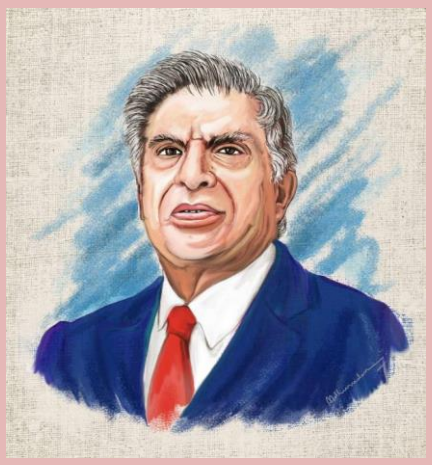

Conclusion

This concludes us to the fact that Entrepreneurship is important, as it has the ability to improve standards of living and create wealth, not only for the entrepreneurs but also for related businesses. Entrepreneurs also help drive change with innovation, where new and improved products enable new markets to be developed. Too much entrepreneurship (i.e., high self-employment) can be detrimental to economic development.

Mrs NIRMAL DEVI
PGT Commerce

Believe in power of NOW……

This is an incident I really want to share. I can't say now, whether it had significant role in changing my life but whenever I took behind in my past, I think about it and it never fails to cheer up.

It was March 2019, I was going to Mumbai from Chiplun. I had to change my train at VT Station and when I reached V.T., I caught the first train leaving the station. The train was comparatively empty than other trains I got a window seat. After sometime an old simple-looking man came and sat next to me. He was covered from top to bottom and a shawl on his shoulder, fighting with early morning cold. I was lost in my thoughts, thinking about all the mistakes that I made and how different my life would have been if I had done things differently.

Suddenly my chain of thoughts broke when I realized that our trains is still standing on some local station and the other three trains of some route went past us. I expressed to the old man " If we would have been on other train, then till now we would have reached our homes but now".

He replied to me " Life doesn't depends on ifs and buts ", dear !

The person I thought to be illiterate gave me in one sentence the answer for all my questions. Life indeed is too short to think about its and buts. Better accept the present and fight it to your capability. I realized how useless it is to think about the past. I enjoyed the rest of train journey and still enjoying the journey called life.

KSHITIJ SHIVAJI MAHADIK
XC

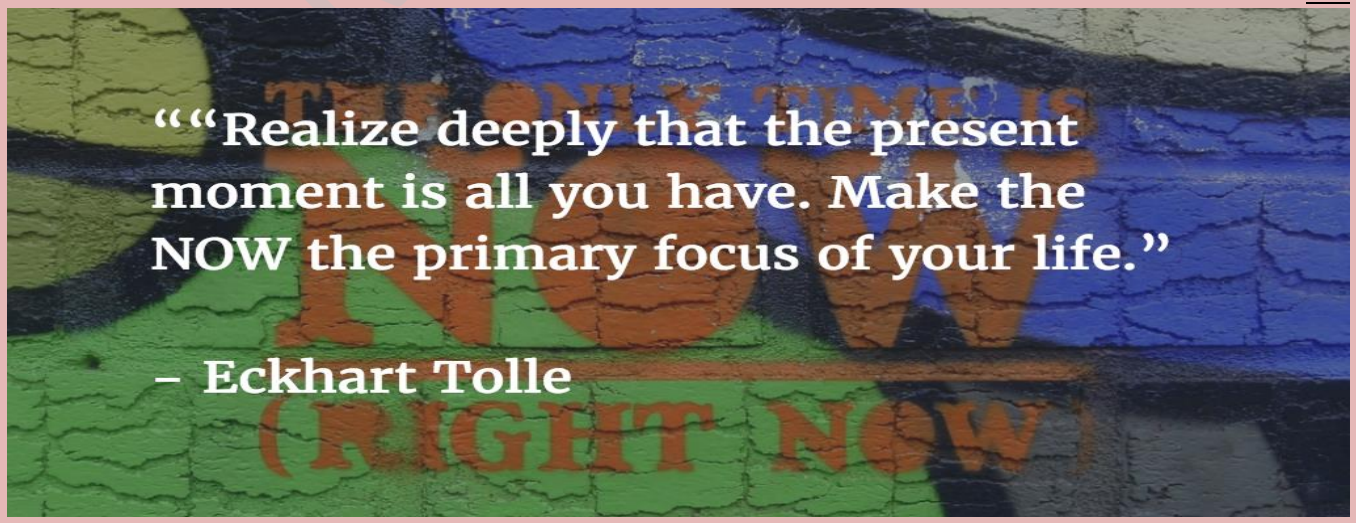

NO WAR ONLY PEACE

AS MESSY AS A LANDFILL
BLOOD AND TEARS EVERYWHERE,
HOMES RUINED,FAMILIES BROKEN
DON'T YOU THINK IT IS UNFAIR?
SCREAMING OUT, SHOUTING LOUD
WHY ME?I'M INNOCENT !
SHORTS AND EXPLOSIONS HERE ANDTHERE,
CHILDREN AND ELDERLY ABANDONED.
SKY AZURE,GRASSES GREEN
BIRDS SWEETLY SINGING, PEACE TO ALL !
CHILDRENSMILING, PLAYING AND LAUGHING,
NO MATTER WHAT NOTHING WILL MAKE US FALL !
AMAZING WORLD, EVERY DAY IS BEAUTIFUL
WHEN THERE IS NO WAR, ONLY PEACE.
FOR THE SAKE OF WORLD,
NO MORE WAR,
PLEASE!!

RACHNA VISHAL MISHRA
XA

Indian Flag

High up in the sky
We love to see you fly
Colors so beautiful
Your movements so graceful
The blue wheel so cool
Our nation's Majestic Rule
Orange , White and Green
Only add more sheen
Every Indian must take pride
As this nation we stride
As we salute you, today
We shall make you pride each day
We promise to keep you proud
This is the call from the young
Indian crowd

KSHITIJ SHIVAJI MAHADIK
XC

KV AFS THANE

IT'S A PAIN TO SAVE!

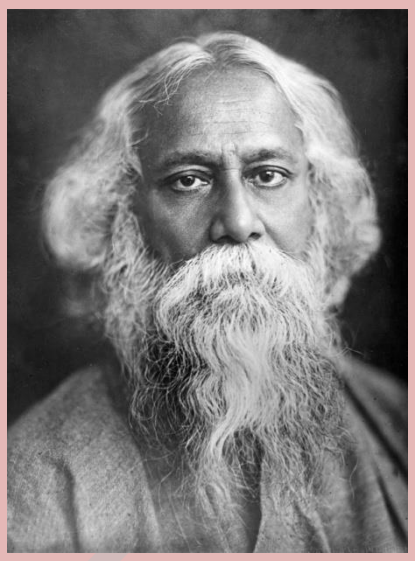

Its a pain to save
A single penny,
When you see those tasty ice-cream,
And the day is sunny.
It's a pain to save
Those embarrassing photos,
Which your best friends took,
When you accidentally set foot on tomatoes.
It's a pain to save
Those old songs,
Even if todays are worse than sugar less coffee,
Cauz the world will think your choice is wrong!
It's a pain to save
Chocolates for some time,
When you know your brother will eat it,
And will say no worries, its all fine!

RACHNA VISHAL MISHRA
X A

IF I WERE TO MEET A HISTORICAL FIGURE….

If I were to meet a historical figure, I would choose Rabindranath Tagore. He was an unbelievable inspiration and an extraordinary example for everyone, no matter from which section of society you are from, you should stand up for what you believe. Rabindranath Tagore was not only one of the significant people in Indian History, but he was also a great role model for students and women everywhere.

If I am ever blessed to sit down and meet with him, I would have asked how he came up with the idea of Shanti Niketan. I have often wondered if he planned that out or he did it as a need of time. Further how he encouraged the parents of female students to send their daughters to Shanti Niketan.

I am honestly fascinated by his idea of Shanti Niketan, where he gave the privilege to his learners as they can do what they are interested in, like, learning to sing, learning to dance, spending more time with nature and so on.

Next, I would want to know if he had any role models himself and what he valued most in his life.

These characteristics are indispensable to me as well as, in my opinion, they show stability and a strong sense of character. It is exciting to imagine whether Rabindranath Tagore had believed the same thoughts as me because he seems more courageous. Then it would be a great time to inform him on how much of a role model he is and how much of an impact he had made in the lives of Indian people.

PRIYANAKA TANWAR
XC

KV ASTHANE

It Was Just Another Day…

It was a Sunday morning, when me and my dad were taking Ginger, my cat to the vet for a check-up. When we stepped out of the society gate, we saw a kitten, who was just like my cat, stuck on a tree which was three storeys high, scared to come down. We tried to get him down by showing him his favourite food. The security guards tried to grab him. But nothing worked. Then the Fire Department had to be called.

When we came back from the vet, we saw two firetrucks near the scene.They were trying to force him down by spraying water from a pressurized hose. Instead, he was scared and started climbing higher.

The Fire Department personnel hadn't deployed any men on the ground for saving the catfrom falling straight to the ground. So, my dad started looking for something that'd keep him from falling, and found a net in the society garden. We stretched it between us above the ground. Some more people joined us to hold the net.For a long time, the cat was up there, on the top of the tree, holding on for dear life. Normally, a cat can survive a fall, but as he was soaked by the water, he fell a bit harder. The net tore apart and he fell down.

Stunned, he ran a short distance and fell down on the ground. Then we rushed him to SPCA,an animal care clinic nearby. The doctors told us that he was having internal bleeding and was in a critical state. My mom was continuously calling me to tell me that there was a CCT exam starting at 11, about which Ihad completely forgotten while on the rescue mission. She wasn't aware of the situation. After ensuring proper medical attention for the cat, I called my mom. I had to submit the exam from the clinic itself.

We were asked to await further updates about the cat's condition. At 4 PM, we received a call from the SPCA, that the cat's health was stable. The next day, we could bring him back to the society. Whenever I see him, I feel really happy and relieved. This story is based on true incident that happened with me.

MONIDEEPA SANTRA
IXA

Life of a student

It is said that the best time of life is the time when one is a student. Most students will not agree with this, but it is true.

What exactly makes up the life of a student? Studies form a very important part of a student's life. Knowledge of the languages, history, geography and science is essential. Knowing how to add and subtract and divide and multiply is equally important. I know students who can never get sums right in mathematics. For them solving problems in mathematics must be terrible.

This does not mean that only studies are important for students. There are also games, and many children hardly find the time to play. But if one is sensible, one can wisely mix time for study with time to play. Play can be very relaxing and lightens the pressure of studies.

Besides school lessons and games, there are also friends to make life enjoyable.

With a good set of friends one can go for picnics, tours and camping trips. Most important, one needs friends for team games such as cricket and football.

My life as a student is full of activity. Never does a day pass without my being as busy as a bee. As far as I am concerned I would like my student life to go on forever.

RUTUJA JAGADALE
XC

LITTLE THINGS MAKE CHANGES!!!

Little drops of water,
Little drains of sand,
Make the mighty ocean,
And the beauteous land.

And the little moments,
Humble though they may be,
Make the mighty ages of eternity.

So our little errors,
Lead the soul away,

Little deeds of kindness,
Little words of love,
Make our earth an Eden,
Like the heaven above

-SNEHA MISHRA
XB
79

BEING RICH

WHEN IT'S NOT POSSIBLE TO COUNT ALL YOUR MONEY, THEY SAY, YOU ARE TRULY RICH.

What does being rich mean? Does it mean having the most expensive cars, the biggest houses and the most luxurious holidays? Or does it mean being able to use your money to do what you want, enjoying yourself and helping others at the same time?

To begin with, I think being rich is a very relative term. If I have 20 rupees and my friend has only 5, then I am richer than him, even though to a millionaire we are both poor. But I can still help him: we have enough for a meal or two.

Almost all of us, rich or poor, are able to help others. Some people give publicly, while others give without expecting anything in return- not publicity, not a payback, not even gratitude. Some people give time, which can be more valuable than money. Others give expertise or knowledge. Some just give a hand, literally.

Rich VS Wealthy

There is a bit more to being rich vs wealthy than how much money you have in your bank account. In fact, it's possible for someone who makes less than a rich person to actually be wealthier than the rich person with the fancy car and latest fashion designs.

That's because rich people spend a lot of money, but wealthy people save and invest most of their money. Wealthy people might have a lot of money, but they don't spend it all in one go. And they certainly don't use debt unless it's for a very clear purpose, such as an investment on a house.

Instead, a wealthy person saves as much money as possible and invests it in assets. That might mean buying real estate or investing in the stock market. Regardless of how they invest, wealthy people know that in order to grow their wealth, they need to turn their cash into assets.

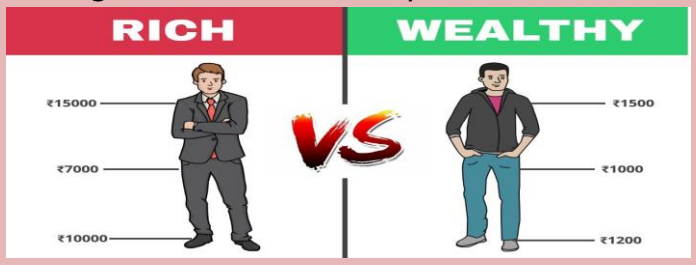

Downsides to Being Rich

Most of us would love to be rich. We imagine that just about all our problems would disappear if only we were really wealthy. Having a lot of money would mean that we wouldn't have to worry about keeping a roof over our heads, sending our kids to any schools they wanted to attend, or having enough to live very comfortably in retirement. What's not to like about being rich?

Sudden wealth catches us unprepared

If you become wealthy suddenly, such as via a lottery jackpot, you won't be ready for what it entails. News archives are full of stories about people who won lottery jackpots only to end up poor, in trouble, or even dead.

You'll have trouble trusting people

This is a major drawback of great wealth: You'll have trouble trusting people. With anyone you meet, whether in a business setting or social setting, you'll find yourself unsure whether they're truly interested in you and what you have to offer, or they're more interested in your money and what it might do for them. That can make dating particularly hard.

Is being rich enough to be successful?

The Money factor

Money is vital in everyday life. It is required to organize the daily activities and lead a comfortable life. Money is essential to pay for house, food, insurance, clothes, education expenses etc. It is a huge driving factor for a lot of things.

Years of Hard work

No doubt there are rich businessmen and other people who struggled and achieved their dreams and also made money with their hard work and are very successful. They have made their dreams come true and earned love and respect from everyone by not making money through others' influence.

Success and Money

Being rich and successful are quite different from each other. We can say that they are two different sides of coin. Rich means you are wise in terms of monetary things And On the other side of the hand Successful means how much success and fame you will earn in your business or life.

CONCLUSION

No definition for being rich

There is no technical definition available to say that a person is rich. Just as success cannot be defined in a quantitative manner, so can't be richness.

The meaning of success

For every individual meaning of success is different. Someone wants to rich or someone wants to be satisfied. There are many great leaders who are very successful but not rich. Many enthusiastic men have created a history by living in a simple way of life. Success means a feeling of positive energy, a feeling of a deep sensation which fills the body with a bloom and the body starts to flow with full of confidence.

QOUTE

There are people who have money and people who are rich**.**

Karan Wadkar
XIC

MY FRIEND IS A CRAZY CHAP

This story is going to based on my friend okayy best friend* - Janani
Let me tell you about her. She is a pretty girl with a beautiful heart. I have ever seen it before, but here is something special about her. She is crazy. She says i should not talk with any other girl i should only talk to her and if she found me talking with someone else she would start crying.. Like everyone in the class named Janani as a crazy girl… but on the other hand she is such a helpful person she was always with me in any of my hard situations…. We always do creepy weird things together which make our life more interesting with a lot of fun in it… So this was something about her now let me tell you about our crazy story of 2018….

So Janani and I were learning taekwondo. We both had a green belt which shows that we are in the 3rd level of learning. One day our team called a school for the demonstration of Taekwondo. But that day I forgot my belt which was a very big mistake and that day no one can give me their belt because everyone has to perform on the same stage at the same time. I was scared and started crying But Janani got an idea there were many colours of flags in that school. She asked a boy to take down that green colour flag. She was a smart girl. As that was a school they have staplers. As soon as she got it she made it like a rope. And attached to me like my Taekwondo belt. I was feeling very happy. Our sir was a strict teacher and I was only scared of him but she saved me. When the function finished we both were laughing hard. When we told this story to our sir he was also laughing and said your friend is a crazy girl….

Whenever I think about Janani this incident always comes to mind…Really my friend is a crazy chap.

ANKITHA RAGULWAR
IX- A

MY CRAZY FRIEND

So today I am going to tell you about one of my friend.his name is TRIVIKRAMBut I call him tv. he was good crazy funnyand helpful at the same time and he was good to me from starting we meet. when we were in 4th grade.he and I were new admissions in school so we don't have friends but fortunately, we became good friends from time to time.
He was unique in my aspect. To understand him is way too hard for others but not for me I got him.

There was a coincidence wait let me tell you it was not so big coincidence but it became a fresh memory of mine soo we were new admission at school as I had tell you that so we were friends from the startingday of school we had the same lunchfor 7 days I know its silly thing but It just became a memory for me we had same lunch and we had not planned that today we will take this or this for lunch. I would like you to tell a storyaboutus it was a time of summer we both were good at sports so we had gone for cluster matches and we and other 11 children were representing our school there. Sothe teacher had said thatall of us to sleep by 10pm . All were slept but… i want to do some crazy things so I ask everyone that"hey let's go for walk for while" but they were scared ofthe teacher cause the teacher had already told them to slept by 10pm and if he found that we where outside at night he would definitely going to call our parents. everyone was Denying my request to go outside for a while in So I asked trivikram and as I exepted he agree to came outside with me wo we just visit the whole school and he had a phone that time so he and I decided that we will call on a random number andtell them that we are from zomato or swiggy andwe will ask them to give us feedbackto our delivery system. we call around 30-40 people and we had also call our teacher that night we had a very great nightwe don't even slept that night.So we had need many crazy things but when we were in 7thgrade Unfortunately one day my father got a transfer letter.Its was time to say goodbye to my friend I mean yes I can call him a best friendit's time to say goodbyeto my best friend it was hurting meand him that maybe we will never meet again in life….. We had such great memory and a great friend I hope that we meet again in life once……

DEEPATKAR PATIL
IX-A

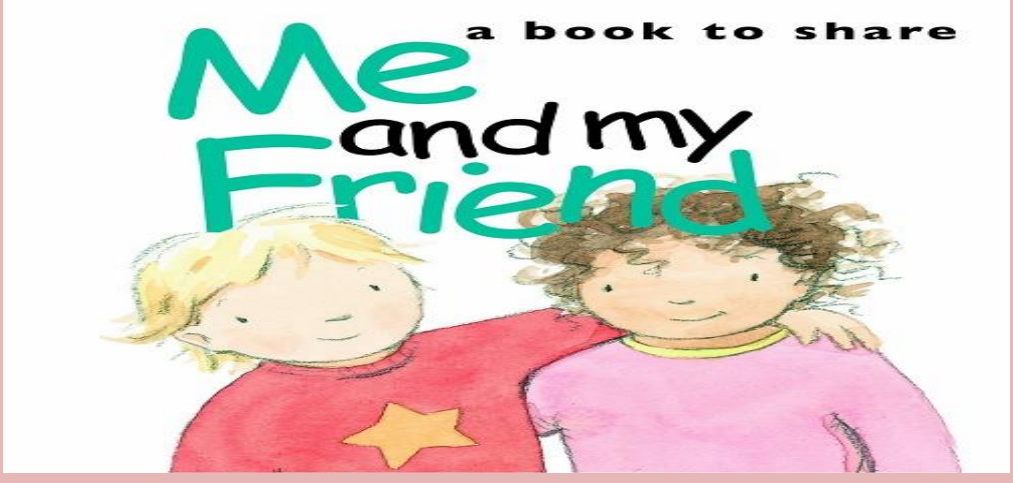

MENTAL HEALTH AND ITS HYGIENE

Many of the Indians are not aware about “What is mental health and its hygiene”Mental health directly means health of the brain and the brain is the most important part of the body . Mental health can affect daily life and relationships. Physical health is fully dependent on mental health. So, good mental health is the most essential for the body and a joyful life.

Factors in people’s lives, interpersonal connections, and physical factors can all contribute to mental health disruptions. Doing this involves reaching a balance between life activities, responsibilities, and efforts to achieve psychological resilience. Conditions such as stress, depression, and anxiety can all affect mental health and disrupt a person’s routine.

Although the term mental health is in common use, many conditions that doctors recognize as psychological disorders have physical roots.

TIPS AND HABITS OF MENTAL HYGIENE

The first thing we need to do to feel OK. Proper eating and sleeping are most important. These are key to psychological well-being and we should not let them slip. To enjoy good mental hygiene, it's important that we accept ourselves as we are. As well as having faith in ourselves and also to trust others. Knowing how to identify and interpret them and regulate their intensity in order to respond appropriately. That is why it's key to emotional intelligence. Maintaining our motivation. We do need to manage expectations and reality. Always counter them and limit their extent through positive thinking. Stress is a very useful natural bodily reaction to cope with adverse situations. But it can be very harmful to health when things settle down and we must learn to switch off. For instance, through techniques as mindfulness. As human beings we are sociable by nature and we need to interact with others to have fun and share our concerns. Regular exercise helps, not just to keep us physically fit and improve our health, but also to clear our heads. Resting for a while after sport is also important.

-BHUMIKA SAXENA
XIB

ONLINE CLASSES: A BOON IN DISGUISE

Education is the most important aspect of an individual's life. It helps people to gain knowledge and choose their occupation of interest. During Covid-19 pandemic, like all other walks of life even education came to standstill. Luckily, sheer resolve of our educationists ensured that education continued by means of online classes through meet apps. Parents were relieved to hear about online classes. Online classes have both advantages and disadvantages. The biggest advantage is that children get to study at home without being exposed to the deadly disease. One of the major disadvantages was that the children had to look and study through screens for long hours resulting in eye damage and associated health issues. Also, in long term it is likely to affect the cognitive abilities of generation in terms of their ability to communicate, share and empathise.

In my opinion I would prefer offline classes as it improves the child's physical and mental health and also his interaction skills. After one year of online classes, many schools are reopening which has made many kids happy as we all have been eagerly waiting for schools to reopen. Still, in many parts of the country schools are not reopening because of high cases of Covid-19 and the most important thing is that we didn't let this pandemic stop our education.

Thanks to our teachers and their dedication, they did not leave any stone unturned in order to ensure continuation of learning and growing.

ANGAD SHARMA
IXB

ONLINE EDUCATION

"INTERNET, A STEP TOWARDS THE FUTURE"

Internet is something that is connecting the modern world.
Online Education is a new way as well as a crucial way of teaching students who are not present at the same place. It provides interaction between students and teachers doesn't matter where they are. By the time it is replacing the culture of offline schools/traditional classrooms. It is the beginning of a new era for education. In India, the craze of this modern method of education came after the Corona Pandemic. During this pandemic, it was a very tough task for teachers to interact with students. But online classes made this task easy as well as solved this problem.
There are some drawbacks to online education. There is no face to face interaction between teachers and students, many students cannot afford it because it needs many things like a mobile/computer, good internet connection etc. They create a sense of isolation among students and it does not allow everybody to meet each other and have some good talks which are not good for a healthy human being.
However, it may be a good mode for education but still cannot compete with offline education because for humans face to face interaction is essential.

ADITYA PRASAD
IX A

Online Classes

Due to the pandemic of the covid-19 virus, they had to shust down for months, this does not mean that study can be stopped for a year or so, as children are more prone of having the covid-19 virus, hence online classes was the only option left. Globally, over 1.2 billion children could not go to school. Children initially were new to online classes but with time they have adapted to them. not everyone is lucky enough to have a stable internet connection or a smart device to run suitable software. Those with a device may not have an internet connection either, if they do it could be slow at times. some people who do have good services take advantage of it and use it as an excuse, so when it does happen teaches take it as an excuse. even tho everyone doesn't have access to online classes, those who have still don't take full advantage of them. The government has tried to take multiple initiatives for those who cannot access such as showing chapters on tv. As the condition is getting better government has allowed reopening schools but with restrictions. Even before COVID-19, there was already high growth and adoption in education technology, with global edtech investments reaching US$18.66 billion in 2019 and the overall market for online education projected to reach $350 Billion by 2025.

What Are The Advantages Of Online Learning?
1. Efficiency
2. Accessibility Of Time And Place
3. Affordability
4. Improved Student Attendance
5. Suits A Variety Of Learning Styles

What Are The Disadvantages Of Online Learning?
1. Inability To Focus On Screens
2. Technology Issues
3. Sense Of Isolation
4. Teacher Training
5. Manage Screen Time

The Plight of an 8th Grader

Exams over, and class 7 results are so good.
Rest now, I thought, I should.
But then reality just sunk in deep,
Into a reality that began to creep.

I was in class EIGHT,
Which I only I thought was great,
But everyone said work hardest,
It's just 2 years before the boards,
I feel like I am stuck in a tempest,
But who cares if my brain just explodes?

Parents say class eight is not easy, underlining not,
Reference books and refreshers are things to be sought.
Tutions are the key to the exit gate,
After all, it's class eight.

Finally when exams begin,
All the terrifying knowledge begins to sink in.
When the day of the result dawns,
I feel in my flesh stuck are many thorns.

Surviving this adventure,
And with dangers of class 9 yet to venture,
Needs guts,
But no IFS and BUTS.

Even if students can barely cross the gate,
'Coz it's class eight
Bitter may be like wine,
But I will manage it just fine

Ujjwal Upadhyay
VIII B

THE SHADES OF WINTER

The winter morning a thick sheet of a fog hides the sun. Days are short and nights are long. The best part of winters- festivals and food . Buying a Christmas trees and decorating it , having cakes and apple pies ! . Eating peanuts is also something people like about winters. The freshness of cool winds on the Republic day seems to be bubbling with patriotism. The wind touches your heart and awakens the feeling of nationalism ; the wind that makes the national flag dance with glory. People rarely comes outdoors until daylight; most sit indoors by the fireside in the morning and evenings . Playing Holi with friends and family is really fun . but sadly soon after Holi, the enchanting shades of winter fade away into the scorching rays of new season .

Shreeti Shandilya
VIII B

Love yourself

- You precious human.
- Everyone has flaws,
- Perfection is to none.
-
- A judgemental presence
- Can cause a nuisance.
- Live and let live,
- This is life's essence.
-
- Wake up the morning,
- Not wake the morning up.
- A healthy lifestyle,
- Is the perfect touch up.
-
- It isn't not hard,
- It isn't very easy.
- Thoughts cheesy,
- Soul uneasy.
-
- Indefinite problems,
- You're tired right?
- Life has its own blossoms,
- It sure will be bright.
-
- Arrival of spring,
- Past the stifling winter.
- Hope will cling,
- Remove the filter.
-
- Pat yourself on the back,
- Good you did today.
- Perhaps you did little lack,
- But don't worry hey!
-
- Next is anew day,
- Might have a better display?
- Hold on an instant,
- Shove the worries constant,
-
- On a long walk in cosmos,
- To a soothing distant.
- The blinding bright smile,
- Teeth on display.
- You are beautiful,
- Everything will be okay.

ISHIKA
VIII B

It's Good to Have Stereotypes

I am a person of stereotypes and
I love being one,
It gives me the power to judge ridiculous people,
Who treat their daughters same as their son.
It's not that I don't believe in equality, I really do.
But it's just not becoming of a lady,
To stay out in night till two.
And then they play the role of victim,
Try to raise their voice and fight
But answer me a simple question,
If you roam around with your throat with you,
The murderer will slash it, right?
I get a ton of rights,
From being judgmental.
I get to yell things like,
"Be a Man!"
"Men don't cry!"
"Women are *so* sentimental!"
I also get to make fun of boys
Who can't control their emotions,
Boys who wear pink shirts or
''Fight like a girl'' in slow motion.
I am a well-wisher of all,
But some people misunderstand me.
They choose to ignore my words
And live their life as they want,
Full of freedom and glee.
Such people will somewhere fail in life,
That's my guarantee.
These people are the men,
Who believe that it's okay for them to cook and cry.
And the women who don't even try to act shy.
In fact, they make demands for equal opportunities
And no pay gaps.
Finally, comes the people who,
Encourage this absurdity with claps.
For me, these people are just rule benders,
Who refuse to believe that colours can have gender.
Though, there is one thing about these weirdos,
That I never understand.
How with shoulders back and chin up, they stand?
With all of them, same is the case,
Pride shines in their eyes and
A smile lights up their face.

-Bhavya Sinha
XI B

MOST PRECIOUS ONE!!!

What's the most precious thing in life?
Some say gold,
Some say money,
But how is that gold when you don't have joy with it,
As joy comes with togetherness,
And how is that money when you don't know how to spend it in right way,
But how is that one friend which is Faithful ,Loyal,Understanding,Joyful,who take all blame to self,
A friend like this is sufficient for all the things
It's a blessing
And I am blessed to have 2 like them

-SNEHA MISHRA
XB

Online classes

Online school classes are like blessings in this period of quarantine,
A wonderful idea to create a joyful and disciplined routine.

I really admire my school's virtual teaching trait,
Not letting us feel that we are in dire strait.

Digital classes are giving us immense zing,
Evan in this town times studies are in full swing.

Virtually interactions with teachers and buddies,
I am glad that we are not laggingin studies.

Making us all as fresh as a daisy,
Brushing up of our skills has really became easy.

Starting a new session in such a unique style,
Really give me a huge smile.

Removing the depression and all the boredom,
Because of e-learning studies have gained momentum.

We love these classes and have a whale of time,
On the mountain of knowledge, they help us climb.

Patil Tanvi
IX B

Topic - IS EDUCATION FOR COMPETITION?

Education is a process of learning, acquiring knowledge, skills, and moral values. Most essential part of of one's life resulting in a positive approach to extent height leading to a valuable human person and citizen with all all responsibilities. One Can't survive in this technological and developing world without education, so it is the reason that everyone want to acquire good knowledge, marks and degrees to survive to do a job which can provide all the basic and comfortable zones to them that is the reason it is becoming the competition between people, family, friends and even in siblings too. Seeing the demand of it many coaching centres and millions of study online apps are coming up with the promise of getting good result .Going to tuitions attending any apps live classes apart from school classes has become a trend or essential now because everybody is in race to engulf knowledge and high post for their and there's families well beings getting high percentage and marks are the set of goal in the eye of the society as everyone decide personality of anyone by their ranks apart from Seeing there moral and creative skills. This has led to down the standard of education day by day as nobody want to to study and become educated for themselves but only for the society and the Peer competitors to set a high standard for self in the eye of everyone. It is degrading real meaning of education that is to become a good human first as this places taking out by selfishness and the chance of pushing others down this is giving the chance to many unskilled people so called educated to come up with the security and destroy children's future as nobody is asking them about their knowledge .A Tag of owner of an institution is enough for them to succeed which is really making a contrasting scenario to taking education as competition as no one is understanding that it is not for setting standards but it is meant for development of a good human and skilled person starting from a child.

ANSHU KANWAR
XII A

WHEN I STAND AND WATCH THE RAIN

When I stand in the balcony,
Watching the rainfall silently.
Enjoying the natures beauty,
It's an attractive natures duty.

Listening the tip tap sound of rain,
Smelling the fragrance of soil again.
Enjoying the rainfall with some fritters and tea,
In front of shining flowers and trees.

Chirping birds and pretty pretty flowers,
Continues to shine for more than an hour.
It's superb to enjoy the fun rain dance,
But not to do so, The pandemic warns.

Away from any software,
In the hands of nature,
It's nice to see the shining creature,
Says my smart english teacher.

Beauty of rain is gifted by God,
It's natural world that's not so small.
Nature is so precious, understand its value,
Otherwise to use it, you'll have to stand in a huge queue.

ANSHIKA SINGH
IX B

AFS THANE

Food Waste: A Crime against Humanity

There's always been this question on my mind as to what happens to cooked food or vegetables or meat that's left untouched or not used. Did you ever think about it? We have been buying food lavishly and wasting it if there is extra food when we could give the remaining food to the people who are in need of the food. This could also solve the **world hunger crisis.**

In the recent years, food waste has attracted the attention of scientists, consumers and activists. It's been termed as a global paradox regarding the manner in which emphasis is put on agriculture to improve food security. Statistics indicate that the food waste globally sums to **1/3rd** of the total food produced for human consumption, about **1.6 billion tons** a year.

There are various causes which leads to the wastage of food. For example, people don't plan appropriately and tend to buy a lot of food which, expires after a certain amount of time. Sometimes, lots of food is purchased and prepared which leads to leftovers and over-preparation of food in restaurants, hotels and the foodservice industry.

Due to wastage of food, there is less land to dump the waste. According to statistics, the unconsumed food accounts for approximately 1.4 billion hectares of land, constituting almost 1/3 of the planet's agriculture land. People are also throwing food in the water which make the freshwater bodies dirty.

1 out of 8 people go hungry every day because people are buying more food than required.

Did you know that **40%** of the food produced in India is wasted? Despite of adequate food production, UN has reported that about 190 million Indians remain malnourished. It is further estimated that the value of food wastage in India is around **Rs. 92,000 crores per annum.**

There are so many causes and effects of food wastage which is harmful for our environment. Below are the suggestions that I would like to suggest which can be useful for resolving food wastage to a certain extent. We can plan on how much food should be bought and we should also look for people who are in need of food.

Food wastage is a global issue but if we take precautions and give it our all to reduce the food wastage, this global problem can also be resolved.

Elijah John
XI C

HOW FAST CAN BIRDS FLY?

It is easy to access the speed of horses and people in races because there is a start and a finish line, but it is much harder to measure the speed of a bird in flight.

Many figures have been published about the speed in flight of various birds but most authorities doubt these statistics.

In general, the heavier the bird is, the faster it needs to fly in order to stay in the air. One expert believes that the fastest recorded flight for a bird was that of a Homing Pigeon going at 94.2 miles per hour.

Here are the estimated speed that some birds fly at. The Peregrine Falcon can fly at about 65 to 75 miles per hour and the next fastest are ducks and geese who can go at about 65 to 70 miles per hour.

The European Swift, golden plover and dove can reach 60 to 65 miles per hour, while Humming Birds reach speeds of 55 to 60 miles an hour. Starlings fly at about 45 to 50 miles and swallows usually at about 25 miles per hour.

Kritika Soude
X-B

CLIMATE CHANGE

Ever since evolution has taken place, humans are continually using nature for their benefit. These disruptions that we have caused to the ecosystem are not reversible. Rapid warming like we see today is unusual in the history of our planet.

Climate change in the world can be caused by various activities. When the temperature rises, many different changes can arise on Earth. The gases that influence the atmosphere are water vapor, carbon dioxide, nitrogen oxide, and methane.

To note a few significant changes, the world is experiencing unexpected weather patterns, arbitrary droughts, and sudden rainfall and snowfall, there is a constant fluctuation in the temperatures leading to calamities like a forest fire. The weather is no longer predictable enough. The changes are random, and it is getting stressful day by day even to keep track of the changes occurring.

According to the Intergovernmental Panel on Climate Change, this has been the warmest decade since 1880. According to The National Oceanic and Atmospheric Administration, the earth could warm by an additional 7.2 degrees Fahrenheit during the 21st century if we fail to reduce emissions from burning fossil fuels .

In conclusion, we need to take part and try to stop global warming and other effects on climate change.If the earth's temperatures continue to rise in the future, living things on earth would become extinct due to the high temperatures. If humans contribute to control global warming, this world would be cooler and the high temperatures we currently have would decrease. If everybody as one take stand and try to end most of the climate changes that are occurring, this world would be a safer place to live on.

TANISHA SAHOO
X-B

LIFE IS AN OPPORTUNITY

Life is an opportunity, benefit from it.
Life is a beauty, admire it.
Life is bliss, taste it.
Life is a dream, realize it.
Life is a challenge, meet it.
Life is a duty, complete it.
Life is a game, play it.
Life is costly, care for it.
Life is wealth, keep it.
Life is love, enjoy it.
Life is mystery, know it.
Life is a promise, fulfil it.
Life is a sorrow, overcome it.
Life is a song, sing it.
Life is a struggle, accept it.
Life is a tragedy, confront it.
Life is an adventure, dare it.
Life is luck, make it.
Life is too precious, do not destroy it.
Life is Life, fight for it!.

VAISHNAVI PAWAR
X B

केन्द्रीय विद्यालय, वायु सेना स्टेशन, ठाणे/KENDRIYA VIDYALAYA, AIR FORCE STATION, THANE

Vidyalaya Management Committee

S.No.	Designation	VMC Members
1	Chairman	**GP CAPT SHEKHAR SHARMA, Station Commader, AFS, Thane**
2	Chairman Nominee	Gp Capt Abhijeet Chowdhury, C Adm O, AFS, Thane
		Flg Offr Prerna, Edn. Officer, AFS, Thane
3 & 4	Two Eminent Educationists	1. Mrs. Nikhita Khotari, Principal, Arunodaya Public School, Thane
		2. Mrs. Ruchi Hajela, Principal, Indo-Scottish Global School, Thane
5	An eminent person of the area known for outstanding work in the field of culture	Dr. (Mrs.) Veena Kawalkar, Yoga Exponent & Community Medicine, Dokali Naka, Thane
6 & 7	Two parents of the children studying in the KV to be nominated by the Chairman, VMC on the recommendation of the Principal. One of whom should be a lady. (Term of these members will be one year)	1. Mr. V. Ganesan, Lt Commander (F/O G Jayan, VI-B)
		2. Mrs. Rupali Pawar (M/O Arohi, III-A)
		3. Mr. Dilip D Waghmare F/O Shreyash D Waghmare (II-C)
		4. Mrs. Hemlata L Bagade (M/O Vanshika, VI C)
8	An eminent Medical Doctor of the area	Dr. (Sqn Ldr) Ruchi Shukla, Senior Medical Officer, AFS, Thane
9	A representative of SC/ST belonging to Class I service, if available. If not, a member of minority community	Mr.Purna Chandra Majhi, Dy. Director General, Mercantile Marine Department, DGS, GOI, Mumbai
10	A teacher representative (Term of this member will be one year)	Mrs. Vandana Sonawane, PRT, KV, AFS, Thane (I Shift)
		Ms. Kaveri Bharti, TGT, KV, AFS, Thane (II Shift)
11	Principal of the KV/Member Secretary	Mr. Chandrashekhar Singh, Principal, KV AFS Thane
		Mrs. Anjali S Parchake, Vice Principal, KV AFS Thane (II Shift)
12	Co-opted Member	Mr. Rajesh Kumar, Chief Manager, Union Bank of India, Litigation Management Wing, SAMV, CO, Mumbai
13	Chairman CGEWCC	Mr. Rakesh Kumar, ITO, O/O Income Tax, Wagle Industrial Estate, Thane
14	Technical Member	Mr. Tanuj Bagla, EE, IDSE, GE, MES, AFS,Thane

केन्द्रीय विद्यालय, वायु सेना स्टेशन, ठाणे/KENDRIYA VIDYALAYA, AIR FORCE STATION, THANE

Faculty Members

SHIFT-1

S. No	NAME OF STAFF	DESIGN.
1	श्री चन्द्रशेखर सिंह	प्राचार्य
	Mr. Chandrashekhar Singh	Principal
2	श्रीमती अमृता गुलिया	पीजीटी
	Mrs. Amrita Gulia	PGT
3	श्री के.चंद्रबाबू	पीजीटी
	Mr. K. Chandra Babu	PGT
4	श्री वी पार्थ सारथी	पीजीटी
	Mr. V. Pardhasaradhi	PGT
5	श्री आर बी गुज़ेर	पीजीटी
	Mr. RB Gujar	PGT
6	श्रीमती श्रीलेखा पी	पीजीटी
	Mrs. Sreelekha P	PGT
7	श्रीमती स्वाति छाबरा	पीजीटी
	Mrs. Swati Chhabra	PGT
8	श्रीमती निर्मल देवी	पीजीटी
	Mrs. Nirmal Devi	PGT
9	श्री संदीप गौतम	पीजीटी
	Mr. Sandeep Gautam	PGT
10	रिक्त	पीजीटी
	Vacant	PGT
11	श्रीमती बिपाशा मजूमदार	पीजीटी
	Mrs. Bipasha Mazumdar	PGT
12	श्रीमती तारा मिश्रा	पीजीटी
	Mrs. Tara Mishra	PGT
13	सुश्री रजिया पराक्कल	पीजीटी
	Ms. Raziya Parakkal	PGT
14	सुश्री हर्षिका	पीजीटी
	Ms. Harshika	PGT
15	श्रीमती क्षेम सावंत	टीजीटी
	Mrs. Kshema Sawant	TGT
16	श्रीमती अमिता चतुर्वेदी	टीजीटी
	Mrs. Amita Chaturvedi	TGT
17	श्रीमती स्मिता शिजू	टीजीटी
	Mrs. Smita Shiju	TGT
18	श्रीमती रीता खन्ना	टीजीटी
	Mrs. Rita Khanna	TGT
19	श्री जी.बी पवार	टीजीटी
	Mr. G.B. Pawar	TGT
20	श्रीमती मनीषा एस कंडलकेर	टीजीटी
	Mrs. Manisha S Kandalkar	TGT
21	श्री प्रदीप पालीवाल	टीजीटी
	Mr. Pradeep Paliwal	TGT
22	सुश्री चंदू	टीजीटी
	Ms. Chandu	TGT
23	रिक्त	टीजीटी
	Vacant	TGT
24	रिक्त	टीजीटी
	Vacant	TGT
25	रिक्त	टीजीटी
	Vacant	TGT
26	रिक्त	टीजीटी
	Vacant	TGT
27	रिक्त	टीजीटी
	Vacant	TGT
28	रिक्त	मु.अ.
	Vacant	HM
29	श्रीमती आशा श्रीवास्तव	प्रा.शि.
	Mrs. Asha Srivasatav	PRT
30	श्रीमती जानकी भट्ट	प्रा.शि.
	Mrs. Janki Bhatt	PRT
31	श्रीमती मुग्धा गोडसे	प्रा.शि.
	Mrs. Mugdha Godse	PRT
32	श्रीमती वंदना सोनावने	प्रा.शि.
	Mrs. Vandana Sonavane	PRT
33	श्री पृथ्वीराज सिंह	प्रा.शि.
	Mr. Prithviraj Singh	PRT
34	श्रीमती गीता असरानी	प्रा.शि.
	Mrs. Geeta Asrani	PRT
35	श्रीमती प्रीति रावत	प्रा.शि.
	Mrs. Preeti Rawat	PRT
36	रिक्त	प्रा.शि.
	Vacant	PRT
37	रिक्त	प्रा.शि.
	Vacant	PRT
38	रिक्त	प्रा.शि.
	Vacant	PRT
39	रिक्त	प्रा.शि.
	Vacant	PRT
40	रिक्त	प्रा.शि.
	Vacant	PRT
41	रिक्त	व.सचिवालय सहा.
	Vacant	SSA
42	रिक्त	कनिष्ठ स.सहा.
	Vacant	JSA
43	श्री नवीनचन्द्र जी मिस्त्री	उपकर्मी
	Mr.Navinchandra G Mistry	Sub-staff
44	रिक्त	उपकर्मी
	Vacant	Sub-staff
45	रिक्त	उपकर्मी
	Vacant	Sub-staff
46	श्री किशोर मोहन ठाकुर	उपकर्मी
	Mr. Kishor M Thakur	Sub-staff
47	रिक्त	उपकर्मी
	Vacant	Sub-staff
48	रिक्त	उपकर्मी
	Vacant	Sub-staff

SHIFT-2

S. No	NAME OF STAFF	DESIGN.
1	श्रीमती अंजली एस परचाके	उप प्राचार्य
	Mrs. Anjali S Parchake	Vice Principal
2	श्रीमती ललित किशोरी श्रीवास्तव	टीजीटी
	Mrs. Lalit Kishori Shrivastava	TGT
3	श्रीमती मीना अडुकिया	टीजीटी
	Mrs. Meena Adukia	TGT
4	श्री जय प्रकाश शरमा	टीजीटी
	Mr. Jay Prakash Sharma	TGT
5	डॉ(श्रीमती)अल्पना कौशिक	टीजीटी
	Dr.(Mrs.) Alpana Kaushik	TGT
6	सुश्री कावेरी भारती	टीजीटी
	Ms. Kaveri Bharti	TGT
7	श्रीमती पूजा रानी	टीजीटी
	Mrs. Pooja Rani	TGT
8	रिक्त	टीजीटी
	Vacant	TGT
9	रिक्त	टीजीटी
	Vacant	TGT
10	रिक्त	टीजीटी
	Vacant	TGT
11	रिक्त	टीजीटी
	Vacant	TGT
12	श्री यशराज गंधर्व	प्रा.शि.
	Mr. Yashraj Gandharv	PRT
13	श्री पाटिल किरण धोन्डू	प्रा.शि.
	Mr. Patil Kiran Dhondu	PRT
14	सुश्री मोनिका	प्रा.शि.
	Ms. Monika	PRT
15	श्रीमती दीपा सिंह	प्रा.शि.
	Mrs. Deepa Singh	PRT
16	श्रीमती कीर्ति	प्रा.शि.
	Mrs. Kirti	PRT
17	रिक्त	प्रा.शि.
	Vacant	PRT
18	रिक्त	प्रा.शि.
	Vacant	PRT
19	रिक्त	व.सचिवालय सहा.
	Vacant	SSA
20	रिक्त	कनिष्ठ स.सहा.
	Vacant	JSA
21	रिक्त	उपकर्मी
	Vacant	Sub-staff
22	रिक्त	उपकर्मी
	Vacant	Sub-staff
23	रिक्त	उपकर्मी
	Vacant	Sub-staff
24	रिक्त	उपकर्मी
	Vacant	Sub-staff
25	रिक्त	उपकर्मी
	Vacant	Sub-staff

School Building Foundation-Stone Ceremony